!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

वर्ष-11। अंक 164। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, बुधवार, 18 जून, 2025

मोसाद हेडक्वार्टर पर हमला

ईरान के एक और शीर्ष कमांडर अली शादमानी को भी मार गिराया

एजेंसी ● तेहरान

सोमवार तड़के ईरान ने इजरायल पर एक और मिसाइल अटैक कर इजरायली खुफिया एजेंसियों अमान और मोसाद के मुख्यालय को निशाना बनाया। दावा किया गया है कि पहले हमले के बाद जब एक फॉल्स अलार्म ने इजरायली इलाकों में घबराहट फैलाई, तब सोमवार की सुबह ईरान ने एक दूसरी मिसाइल वेव लॉन्च की। मिसाइल हमलों में मोसाद का मुख्यालय और यूनिट 8200 के कुछ गुप्त बैकअप ठिकानों को भी तबाह कर दिया गया। वीडियो फुटेज में हाइफा स्थित एक विशाल पावर प्लांट को आग की लपटों में घिरा देखा गया. इसके तुरंत बाद, कब्जे वाले क्षेत्रों में बिजली गुल होने की खबरें आईं। हालांकि इजरायली रक्षा प्रतिष्ठान ने इन हमलों को बस स्टैंड या पार्किंग क्षेत्र को हुए नुकसान के रूप में पेश किया है। यह हमला सीधे इजरायल द्वारा कब्जा किए गए क्षेत्रों पर केंद्रित था। यह हमला मौजूदा संघर्ष की शुरुआत के बाद से दसवां बड़ा अटैक था।

जान बचाकर भाग रहे लोग

ईरान और इजरायल के बीच तेज़ होती टकराव की स्थिति के बीच तेहरान में अफरा-तफरी मच गई है। इसकी वजह है- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सोशल मीडिया पोस्ट। जिसमें उन्होंने तेहरान को तुरंत खाली करने की चेतावनी दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और तस्वीरों में देखा जा रहा है कि राजधानी तेहरान से बाहर निकलने वाली सड़कों पर भारी भीड़ और जाम की स्थिति है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हजारों लोग डर के माहौल में शहर छोड़कर जा रहे हैं।

ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा – "हर किसी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए!* ट्रंप ने यह भी कहा, "ईरान को वो 'डील' साइन कर लेनी चाहिए थी जो मैंने कही थी। कितनी शर्म की बात है और कितना मानवीय नुकसान। मैंने बार-बार कहा है – ईरान को न्यूक्लियर हथियार नहीं मिल सकते। इस चेतावनी के बाद कई लोगों ने दावा किया कि उनके परिवार राजधानी छोड़कर जा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "मेरी मां ने बताया कि वे तेहरान छोड़ रहे हैं। सभी लोग भाग रहे हैं। सड़कों पर इतनी भीड़ है कि गाड़ियां हिल भी नहीं पा रहीं।"

G7 समिट छोड़कर ट्रम्प अमेरिका लौटे

इजराइल-ईरान जंग बढ़ने के मद्देनजर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जी-7 समिट को बीच में छोड़कर अमेरिका रवाना हो गए हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि तनाव के चलते ट्रम्प ने यह फैसला लिया है। इस बीच ट्रम्प ने कहा कि मैं सीजफायर के लिए नहीं लौट रहा हूं और बात उससे बड़ी है। जी-7 से अमेरिका आए ट्रंप ने कहा कि ईरान परमाणु बम बनाने के बहुत करीब है। सीधी बात है कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बना सकता है। उसे इस मुद्दे पर सरेंडर करना ही होगा, उससे कम कुछ नहीं हो सकता है। वह सीजफायर नहीं, बल्कि ईरान के परमाणु हथियारों का अंत चाहते हैं। उन्होंने कहा, "अगर ईरान को बात करनी है तो उन्हें मुझसे संपर्क करना होगा।

तनाव घटाने में जुटे जी7 देश

कनाडा में सोमवार से शुरू हुए जी7 शिखर सम्मेलन में वैश्विक नेता इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए प्रयासरत रहे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि सभी जी 7 देश मानते हैं कि इस संघर्ष को बढ़ने से रोकना जरूरी है, क्योंकि इससे गाजा की स्थिति और वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

ईरान के सैन्य सलाहकार अली शादमानी की मौत

इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष में ईरान को भारी नुकसान हुआ है। इस संघर्ष में ईरान ने न सिर्फ अपने देश के शीर्ष सैन्य कमांडरों को खोया है बल्कि कई परमाणु संयत्रों और अहम सैन्य ठिकाने भी ध्वस्त हो गए हैं। इसी बीच मंगलवार को इस्राइली सेना ने ईरान के एक और शीर्ष कमांडर अली शादमानी को भी मार गिराया है। इस्राइल के लगातार हमलों के चलते ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई अकेले पड़ गए हैं। खामनेई के कई प्रमुख सैन्य और सुरक्षा सलाहकारों की मौत हो चुकी है, जिससे उनकी आंतरिक सलाहकार टीम में लोगों की भारी कमी है। इसका असर नेतृत्व पर भी देखने को मिल रहा है। इन लोगों के मारे जाने के बाद रणनीतिक गलतियों की आशंका बढ़ गई है। इससे उन्हें सत्ता संभालने में मुश्किल हो सकती है।

ईरान में फंसे 110 भारतीय छात्र आर्मेनिया सीमा पर पहुंचे

एजेंसी ● नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि इजराइल और ईरान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच तेहरान में मौजूद भारतीय छात्रों को सुरक्षा कारणों से बाहर निकाल लिया गया है और उनमें से 110 लोग सीमा पार कर आर्मेनिया में प्रवेश कर गए हैं। इसकी पूरी व्यवस्था दूतावास ने की। भारतीय दूतावास सभी संभव सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से समुदाय के साथ निरंतर संपर्क में है।

बयान में कहा गया है, '' तेहरान में भारतीय छात्रों को सुरक्षा कारणों से बाहर निकाल लिया गया है। इसकी व्यवस्था दूतावास ने की। इसमें कहा गया कि परिवहन के हिसाब से जो लोग स्वयं इंतजाम कर सकते हैं उन्हें भी हालात को देखते हुए शहर से बाहर चले जाने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, कुछ भारतीयों को आर्मेनिया की सीमा के माध्यम से ईरान छोड़ने में मदद की गई है। मंत्रालय ने कहा कि अस्थिर स्थिति को देखते हुए आगे भी परामर्श जारी किए जा सकते हैं।जम्मू कश्मीर छात्र संघ के अनुसार, उर्मिया मेडिकल यूनिवर्सिटी के 110 भारतीय छात्र जिनमें से 90 कश्मीर घाटी के हैं, सुरक्षित रूप से सीमा पार कर आर्मेनिया पहुंच गए हैं। एक अन्य बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान और इजराइल में जारी घटनाक्रम के मद्देनजर मंत्रालय में सातों दिन 24 घंटे संचालित होने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। इससे पहले, ईरान में सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के व्यक्तियों से सतर्कता बरतने, सभी अनावश्यक गतिविधियों से बचने, दूतावास के सोशल मीडिया खातों का अनुसरण करने और स्थानीय अधिकारियों के परामर्श के अनुसार सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने का अनुरोध किया गया था।

मलबे से 70 तोला सोना और 80 हजार मिले

एजेंसी ● अहमदाबाद

यहां 12 जून को हुए एयर इंडिया के प्लेन क्रैश में 270 लोगों ने अपना जीवन खोया है। जैसे ही प्लेन क्रैश हुआ, पूरा इलाका आग और धुएं के गुबार की चपेट में आ गया। लोग अपनी जान बचाकर भागने लगे और उनका कीमती सामान जैसे सोना, नकदी, बैग, पासपोर्ट जैसे कई जरूरी चीजें वहीं छूट गईं। विमान के मलवे से कुछ चश्मदीद लोगों ने इसे बरामद किया और फिर पुलिस को सौंप दिया है।

प्लेन क्रैश के दौरान राजू पटेल नामक एक व्यवसायी घटना स्थल के आस-पास मौजूद थे। अधिकारियों ने उनको सहायता करने की अनुमति दे दी थी। राजू पटेल ने बताया कि मलबे से उन्हें 70 तोला सोने के आभूषण और 80000 रुपये नकद मिले थे। कई लोगों के पासपोर्ट भी थे।

124 शव सौंपे गए- एअर इंडिया विमान दुर्घटना के पांच दिन बाद, अब तक डीएनए मिलान के जरिये 163 मृतकों की पहचान कर ली गई है और 124 लोगों के शव उनके परिजनों को सौंप दिये गए हैं। विमान के पायलट सुमित सब्बरवाल का अंतिम संस्कार मंगलवार को मुंबई में किया गया।

एयर इंडिया ने बनाया पीयर ग्रुपः एयर इंडिया ने इस घटना से प्रभावित चालक दल के सदस्यों की सहायता के लिए एक समर्पित "पीयर ग्रुप" की स्थापना की है। यह "पीयर ग्रुप" विशेष रूप से कॉकपिट और केबिन क्रू दोनों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सहायता और परामर्श प्रदान करने के लिए बनाया गया है। हवा में और जमीन पर दोनों जगह ये परामर्श दी जाएगी।

एक के बाद एक एअर इंडिया की 6 उड़ानें रद्द, यात्री परेशान

एजेंसी ● नई दिल्ली

अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे के बाद एयरलाइनके ऑपरेशन में लगातार दिक्कतें आ रही हैं। मंगलवार को एअर इंडिया इंटरनेशनल की कुल सात उड़ानें तकनीकी खराबी समेत अलग-अलगकारणों से रद्द कर दी गईं। कैंसिल हुईफ्लाइट्स में से छह बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर थीं, जो अहमदाबाद में हादसे का शिकार हुई थी।

दिल्ली-मुंबई की उड़ानों पर असरः मंगलवार को दो उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिनमें से एक अहमदाबाद से लंदन और दूसरी दिल्ली से पेरिस जाने वाली थी। दोनों विमानों में तकनीकी खराबी पाए जाने के बाद इन्हें रद्द कर दिया गया। एअर इंडिया ने दो अन्य उड़ानें भी रद्द हुई हैं, जिनमें से एक लंदन से अमृतसर और दूसरी बेंगलुरु से लंदन जाने वाली थी। अहमदाबाद से लंदन जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान संख्या AI 159, पिछले सप्ताह हुए हादसे के बाद पहली बार मंगलवार को दोपहर 1.10 बजे उड़ान भरने वाली थी।

कोलकाता में खराब हुआ इंजनः इसी तरह, दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पेरिस के जीडीजी एयरपोर्ट के लिए एअर इंडिया की उड़ान भी मंगलवार को रद्द कर दी गई, क्योंकि उड़ान से पहले जांच के दौरान विमान में कुछ समस्या आ गई थी। सैन फ्रांसिस्को से कोलकाता होते हुए मुंबई जा रही एअर इंडिया की उड़ान संख्या AI 180 के एक इंजन में भी तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यात्रियों को सुबह पश्चिम बंगाल की राजधानी में तय हॉल्ट के दौरान विमान से उतरना पड़ा।

यात्रियों को हो रही परेशानीः एअर इंडिया के ऑपरेशन में आ रही दिक्कतें हवाई यात्रियों को भारी पड़ रही हैं और उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर का अमेरिका में विरोध

वॉशिंगटन। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सईद आसिम मुनीर अमेरिका की यात्रा पर हैं, जहां उन्होंने अत्याधुनिक हथियार, एफ-16 लड़ाकू विमानों की आपूर्ति और लंबी दूरी की मिसाइलों को हासिल करने का प्रयास किया। लेकिन यहां पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेता और कार्यकर्ताओं ने आसिम मुनीर का जोरदार विरोध किया, उन्हें 'कातिल', 'भगौड़ा' जैसे अपशब्द कहे और 'शेम ऑन यू आसिम मुनीर' के नारे लगाए गए। यह विरोध इमरान खान को जेल में बंद कर सत्ता संभालने के कारण हो रहा है, जिन्हें पाकिस्तान में चुनाव जीतने वाला नेता माना जाता है। इजरायल को लेकर पाकिस्तान के सुर नरम होने की वजह अमेरिका है, जिससे रिश्ता सुधारने के लिए मुनीर आज कल अमेरिका के दौरे पर हैं।

www.adityabharat.com

हर ख़बर जरूरी है पाठक के लिए...!

दैनिक आदित्य भारत

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

सदैव सत्य के साथ...

रायपुर,इंदौर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

आपके विचार लेख हमारी संपादकीय टीम को उचित लगता है तो जरूर प्रकाशित किया जाएगा...

mail id : editor@adityabharat.com

मंत्रि-परिषद ने म.प्र. लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 का किया अनुमोदन

2 लाख नवीन पद होंगे निर्मित

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 का अनुमोदन किया गया है। अनुमोदन अनुसार आरक्षित वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर उनके हितों को संरक्षित किया गया है। अनुसूचित जनजाति के लिये 20% एवं अनुसूचित जाति के लिये 16% आरक्षण का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोकसेवकों को भी मेरिट के आधार पर पदोन्नति प्राप्त करने का अवसर दिया गया है।

वर्तमान वर्ष में ही आगामी वर्ष की रिक्तियों के लिए पदोन्नति समिति की बैठक कर चयन सूची बनाये जाने का प्रावधान किया गया है, अर्थात अग्रिम डी.पी.सी. के प्रावधान किये गये है। पदोन्नति के सूत्र में वरिष्ठता का पर्याप्त ध्यान रखा गया है। वरिष्ठ लोक सेवकों में से मेरिट के अनुसार न्यूनतम अंक लाने वाले लोक सेवक पदोन्नति के लिए पात्र होंगे, प्रथम श्रेणी के लोक सेवकों के लिए merit cum seniority का प्रावधान किया गया है। पदोन्नति के सूत्र में कार्यदक्षता को प्रोत्साहित किया जाना लक्षित है, पदोन्नति के लिए अपात्रता का स्पष्ट निर्धारण किया गया है। किन परिस्थितियों में कोई लोक सेवक अपात्र होगा एवं दण्ड का क्या प्रभाव होगा यह स्पष्ट रूप से लेख किया गया है। किसी भी विभागीय पदोन्नति समिति बैठक के सन्दर्भ में निर्णय के पुनर्विलोकन के लिए रिव्यू डी.पी.सी. की बैठक आयोजित किये जाने के लिये स्पष्ट प्रावधान किये गये है। नवीन पदोन्नति नियमो में परिभ्रमण की व्यवस्था समाप्त की गई है। इससे पदोन्नति के लिए अधिक पद हो सकेंगे। पदोन्नति समिति को शासकीय सेवक की उपयुक्तता निर्धारण करने का अधिकार दिया गया है

चतुर्थ श्रेणी के लिये अंक व्यवस्था नहीं होगी, केवल पदोन्नति के लिए उपयुक्त होने पर ही पदोन्नति प्राप्त हो सकेगी। अर्हकारी सेवा के लिए किसी वर्ष में की गई आंशिक सेवा को भी पूर्ण वर्ष की सेवा माना जायेगा, यदि वर्ष के एक भाग की सेवा भी की गई है तो उसे पूर्ण वर्ष की सेवा माना जाएगा। यदि किसी वर्ष में 6 माह का ही गोपनीय प्रतिवेदन उपलब्ध है तो उसे पूर्ण वर्ष के लिये मान्य किया जा सकेगा। यदि गोपनीय प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं होने के कारण किसी की पदोन्नति रुकती है तो उसे पदोन्नति प्राप्त होने पर पूरी वरिष्ठता दी जायेगी। अप्रत्याशित रिक्तियों को चयन सूची/प्रतीक्षा सूची से भरे जाने का स्पष्ट प्रावधान किया गया है।

प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए शासकीय सेवक (जो आगामी वर्ष अर्थात पदोन्नति वर्ष में उपलब्ध नहीं होंगे) के पद के विरुद्ध पदोन्नति का प्रावधान किया गया है। गोपनीय प्रतिवेदनों में से यदि कोई गोपनीय प्रतिवेदन एन.आर.सी (नो रिपोर्ट सर्टिफिकेट), सक्षम स्तर से स्वीकृत अवकाश, पदग्रहण काल अथवा प्रशिक्षण के कारण है अथवा गोपनीय प्रतिवेदन में निर्धारित समय पर स्वमूल्यांकन के साक्ष्य है तो ऐसी स्थिति में गोपनीय प्रतिवेदन की अनुपलब्धता के आधार पर पदोन्नति नहीं रोकी जायेगी। विभागीय पदोन्नति समिति के बैठक से पूर्व केवल कारण बताओ सूचना पत्र के आधार पर बंद लिफाफा की कार्यवाही नहीं की जायेगी, जिससे अधिक लोक सेवकों को पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। कुल मिलाकर पदोन्नति के पद जिस दिन उपलब्ध हो उसी दिन उपयुक्त योग्य एवं आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखकर भरे जा सके। इस तरह से लगभग 2 लाख नए पद निर्मित होंगे। इससे प्रशासन में सुधार एवं कार्यक्षमता बढ़ेगी।

भारत के हृदय, मध्य प्रदेश में पर्यटन ने 2024 में बनाए नए रिकॉर्ड

'अतुलनीय मप्र' बना पर्यटकों की पहली पसंद, वर्ष 2024 में पहुंचे 13.41 करोड़ सैलानी

संवाददाता ● भोपाल

पर्यटन की दृष्टि से मध्य प्रदेश भारत का एक समृद्ध और विविधतापूर्ण राज्य है। यहां की विशेषता इसकी सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरें, प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीव संपदा में निहित है। यही कारण है कि "अतुलनीय मध्य प्रदेश" पर्यटकों की पहली पसंद बन रहा है। प्रदेश ने वर्ष 2024 में पर्यटन के क्षेत्र में कीर्तिमान रचा है। यहां रिकॉर्ड 13.41 करोड़ पर्यटकों का आगमन हुआ। यह उपलब्धि 2023 की तुलना में 19.6%, 2019 से लगभग 50.6% और 2020 की तुलना में 526% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है।

रिकॉर्ड

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से मध्य प्रदेश भारत का एक समृद्ध और विविधतापूर्ण राज्य है। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संपदा, ऐतिहासिक धरोहरें और वन्यजीव विविधता, पर्यटकों को एक सम्पूर्ण अनुभव प्रदान करती हैं। वर्ष 2024 में 13.41 करोड़ पर्यटकों का आगमन इस बात का प्रमाण है कि मध्य प्रदेश देश ही नहीं, वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर भी मजबूती से उभर रहा है। यह उपलब्धि शासन की दूरदर्शी नीतियों, आधारभूत ढांचे के विकास और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी का प्रतिफल है।

विदेशी पर्यटकों का आगमन

वर्ष 2024 में 1.67 लाख विदेशी पर्यटकों ने भी मध्य प्रदेश की सैर की। खजुराहो में 33,131, ग्वालियर में 10,823 और ओरछा में 13,960 विदेशी पर्यटक पहुंचे। शहरी पर्यटन में भी विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई, जिसमें इंदौर में 9,964 और भोपाल में 1,522 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। बाधवगढ़ में 29,192, कान्हा में 19,148, पन्ना में 12,762 और पेंच में 11,272 विदेशी पर्यटक आए, जो मध्य प्रदेश की वैश्विक अपील को दर्शाता है।

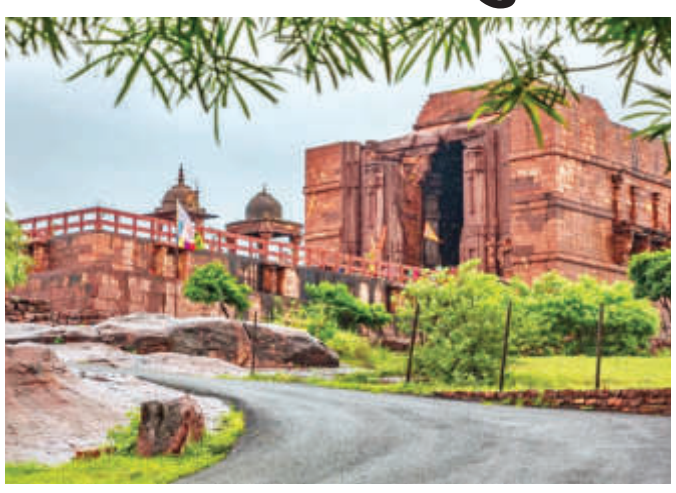

धार्मिक पर्यटन : देश की आस्था का नया केंद्र

प्रदेश के धार्मिक स्थलों ने 2024 में 10.7 करोड़ पर्यटकों को आकर्षित किया, जो वर्ष 2023 की तुलना में 21.9% अधिक है। प्रदेश के शीर्ष 10 पर्यटन स्थलों में से 6 धार्मिक स्थल शामिल हैं। उज्जैन 7.32 करोड़ पर्यटकों के साथ इस सूची में सबसे आगे रहा, जो वर्ष 2023 के 5.28 करोड़ की तुलना में 39% अधिक है। चित्रकूट में भी 1 करोड़ से अधिक पर्यटक आए, जो वर्ष 2023 के 90 लाख की तुलना में 33% अधिक है। मैहर में 1.33 करोड़, अमरकंटक में 40 लाख, सलकनपुर में 26 लाख और ओंकारेश्वर में 24 लाख पर्यटक पहुंचे। महाकाल लोक, ओंकारेश्वर महालोक, श्रीराम वनगमन पथ, देवी लोक, राजा राम लोक, हनुमान जैसी परियोजनाओं ने धार्मिक पर्यटन को आध्यात्मिक और आर्थिक रुप से सशक्त बनाया है।

विरासत पर्यटन : इतिहास की जीवंत गाथा

मध्य प्रदेश की समृद्ध विरासत ने 2024 में 80 लाख से अधिक पर्यटकों को आकर्षित किया, जो 2023 के 64 लाख की तुलना में 25% की वृद्धि दर्शाता है। ग्वालियर में पर्यटकों की संख्या में 3 गुना वृद्धि देखी गई, जहां 9 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे, जो 2023 के 3.69 लाख से उल्लेखनीय वृद्धि है। खजुराहो (4.89 लाख), भोजपुर (35.91 लाख) और महेश्वर (13.53 लाख) में भी पर्यटकों ने इन समृद्ध विरासतों का आनंद लिया। यूनेस्को ने हाल ही में भोजपुर को अपनी टेंटेटिव सूची में शामिल किया है और ग्वालियर को "क्रिएटिव सिटी ऑफ म्यूजिक" के रुप में मान्यता दी है। मध्य प्रदेश में अब 3 स्थायी और 15 टेंटेटिव सूची में कुल 18 यूनेस्को धरोहरें हैं। स्थायी सूची में खजुराहो के मंदिर समूह, भीमबेटका की गुफाएं और सांची स्तूप शामिल हैं। सम्राट अशोक के शिलालेख, चौसठ योगिनी मंदिर, गुप्तकालीन मंदिर, बुंदेला शासकों के महल और किले, ग्वालियर किला, बुराहनपुर का खूनी भंडारा, चंबल घाटी के शैल कला स्थल, भोजपुर का भोजेश्वर महादेव मंदिर, मंडला स्थित राम नगर के गोंड स्मारक, धमनार का ऐतिहासिक समूह, मांडू के स्मारकों का समूह, ओरछा का ऐतिहासिक समूह, नर्मदा घाटी में भेड़ाघाट-लमेटाघाट, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और चंदेरी टेंटेटिव लिस्ट में हैं।

वन्यजीव पर्यटन : प्रकृति और रोमांच का संगम

ग्रीन, क्लीन और सेफ मध्य प्रदेश को "टाइगर स्टेट", "लेपर्ड स्टेट", "घड़ियाल स्टेट", "चीता स्टेट" और "वल्चर स्टेट" के रुप में जाना जाता है, जिसमें देश का सबसे अधिक वन क्षेत्र है। राज्य में 12 राष्ट्रीय उद्यान, 25 वन्यजीव अभयारण्य और 9 टाइगर रिजर्व हैं। कान्हा (2.48 लाख), पेंच (1.92 लाख), बांधवगढ़ (1.94 लाख), पन्ना (3.85 लाख) और मढ़ई (4.34 लाख) जैसे प्रमुख वन्यजीव स्थलों पर पर्यटकों का आगमन हुआ। कुनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में अफ्रीकी चीतों की पुनर्स्थापना परियोजना ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है।

प्राकृतिक पर्यटन : प्रकृति की गोद में अविस्मरणीय अनुभव

मध्य प्रदेश का प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों के लिए एक अनमोल खजाना है। पचमढ़ी, अमरकंटक, भेड़ाघाट, हनुवंतिया, गांधीसागर, तामिया, सैलानी आइलैंड और सरसी आइलैंड जैसे स्थल प्राकृतिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र हैं। 2024 में पचमढ़ी में 2.87 लाख पर्यटक आए। भेड़ाघाट में 2.34 लाख पर्यटक पहुंचे। यहां रिसॉर्ट्स, एडवेंचर, स्पोर्ट्स, ट्रेकिंग ट्रेल्स और कैंपिंग सुविधाओं ने पर्यटकों को नया अनुभव दिया। गांधीसागर डैम, सैलानी आइलैंड, तामिया की पातालकोट घाटी और सरसी आइलैंड में प्राकृतिक सौंदर्य ने पर्यटकों को प्रकृति के और करीब लाया।

ग्रामीण पर्यटन : संस्कृति और आतिथ्य का जीवंत अनुभव

मध्य प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन ने स्थानीय संस्कृति और आतिथ्य को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 63 पर्यटन ग्राम विकसित किए गए हैं। प्रदेश में 470 से अधिक होमस्टे का निर्माण किया गया है, जिनसे अब तक 24 हजार से अधिक अतिथि स्थानीय संस्कृति और खानपान का अनुभव ले चुके हैं। पचमढ़ी, कान्हा और अमरकंटक जैसे क्षेत्रों के आसपास के गांवों में होम स्टे सुविधाएं पर्यटकों के लिए अनूठा अनुभव बन गई है। चंदेरी में भारत के पहले हैंडलूम गांव प्राणपुर ने स्थानीय शिल्पकारों को वैश्विक पहचान दिलाई है। आदिवासी समुदायों की कला जैसे गोंड, भील पेंटिंग और मांडना आर्ट पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं।

फिल्म पर्यटन : सिनेमाई जादू का नया गंतव्य

मध्य प्रदेश फिल्म पर्यटन के क्षेत्र में भी एक अलग पहचान बना रहा है। चंदेरी और महेश्वर जैसे स्थल फिल्म निर्माताओं की पहली पसंद बन गए हैं। "स्त्री 2" की शूटिंग ने चंदेरी को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाया, जहां 47,630 पर्यटक पहुंचे। महेश्वर में 13.53 लाख पर्यटक आए, जो कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्मों की शूटिंग का गवाह बना। हाल ही मध्य प्रदेश में निर्मित फिल्म होमबाउंड को फिल्म जगत के प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में दुनिया भर के दिग्गजों की प्रशंसा मिली। नई फिल्म नीति-2025 और पर्यटन सुविधा सेल ने मध्य प्रदेश को फिल्म निर्माताओं के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाया है। प्रदेश में स्त्री, सुई धागा, दबंग 2, पैडमैन, पंचायत (वेब सीरीज) और महारानी जैसे प्रोजेक्ट्स ने मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक और प्राकृतिक सुंदरता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया। खजुराहो, ग्वालियर और मांडू जैसे स्थल भी फिल्म शूटिंग के लिए लोकप्रिय हुए।

केवीआईसी ने पीएमईजीपी के अंतर्गत देशभर के 11,480 सेवा क्षेत्र के लाभार्थियों को करीब

300 करोड़ रुपये से अधिक की मार्जिन मनी सब्सिडी संवितरित

एजेंसी ● नई दिल्ली

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के अंतर्गत 17 जून 2025 को एक वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से देशभर के 11,480 सेवा क्षेत्र (Service Sector) के लाभार्थियों को करीब 300 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी का संवितरण किया। यह संवितरण लगभग 906 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति के सापेक्ष किया गया। यह आयोजन नई दिल्ली स्थित राजघाट कार्यालय से सम्पन्न हुआ, जहां से केवीआईसी अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने अपनी टीम के साथ ऑनलाइन माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में यह सब्सिडी स्थानांतरित की। कार्यक्रम में केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री रूप राशि सहित वरिष्ठ अधिकारी मुंबई से वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री

श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर और विकसित भारत' का सपना साकार हो रहा है और पीएमईजीपी योजना उसका मजबूत स्तंभ बन चुकी है। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक आंदोलन बन गई है जो लाखों युवाओं, महिलाओं और कारीगरों को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ रही है। गांव-गांव तक रोजगार और आत्मनिर्भरता के निर्माण में इस योजना की भूमिका निर्णायक रही है। इस व्यापक संवितरण में देश के सभी छह अंचलों की सक्रिय भागीदारी रही। केंद्रीय जोन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड की कुल 2403 परियोजनाओं के लिए करीब 72 करोड़ रुपये की सब्सिडी वितरित की गई, जिनके लिए कुल 218 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। पूर्वी जोन में बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की 996 परियोजनाओं को करीब 22 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई, जबकि ऋण स्वीकृति करीब 71 करोड़ रुपये रही।

उत्तर भारत के राज्यों– पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, राजस्थान और केंद्र शासित चंडीगढ़ – के अंतर्गत कुल 2713 परियोजनाओं को करीब 61 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी गई और इन परियोजनाओं के लिए 184 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। पूर्वोत्तर क्षेत्र की 81 परियोजनाओं को करीब 2 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई, जिसमें असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा जैसे राज्य शामिल रहे। दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में 4565 परियोजनाओं को शामिल करते हुए करीब 116 करोड़ रुपये की सब्सिडी वितरित की गई, जबकि इन परियोजनाओं के लिए 343 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण स्वीकृत किया गया। पश्चिम जोन के महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा राज्यों की कुल 722 परियोजनाओं के लिए 26 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी वितरित की गई, जो 82 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति के सापेक्ष है।

तनिष्क डायमंड्स का नया 'रेडियन्स इन रिदम'

डिज़ाइन की जटिलता, आकर्षक सिल्हट, उत्कृष्ट शिल्प कौशल और 100% प्राकृतिक हीरों का नया कलेक्शन

एजेंसी ● मुंबई

भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेल ब्रांड, टाटा परिवार का एक सदस्य, तनिष्क ने अपना सबसे नया प्राकृतिक हीरों का कलेक्शन प्रस्तुत किया है - 'रेडियन्स इन रिदम'। कुशल हाथों ने, पूरे दिल से, एक-एक कहानी को बुनते हुए बनाया हुए यह कलेक्शन आधुनिक महिला से ही प्रेरित है, ऐसी महिला जो अनोखी है, अपनी एक विशेष पसंद रखती है और बहुत ही आसानी से सबसे आगे रहती है। 'रेडियन्स इन रिदम' सिर्फ आभूषण नहीं हैं बल्कि आधुनिक आधुनिक महिला की अभिव्यक्ति हैं, जिसे बहुत ही कलात्मक ढ़ंग और शानदार तरीके से प्रस्तुत किया गया है। दृढ़ विश्वास और रचनात्मक क्षमताओं के साथ, आगे बढ़ने वाली महिला के लिए डिज़ाइन किया गया, 'रेडियन्स इन रिदम' कलेक्शन बिना झिझक, बिना डरे खुद को अभिव्यक्त करने के लिए एक सराहना है। ऐसी महिला जब आती है तब हर पल को अपना बना देती है। उनकी सहज चमक, बेहतरीन पसंद और असाधारण चीज़ों के प्रति आकर्षण के साथ, वह सहजता से प्रभावित करती हैं। इन व्यक्तित्व विशेषताओं ने इस कलेक्शन को आकार दिया है। तनिष्क हीरे जटिल डिज़ाइन और उत्कृष्ट शिल्प कौशल के माध्यम से उनकी भावनाओं का सम्मान करते हैं - यह आभूषण उनकी भाषा बोलते हैं: जो प्रभावशाली, अपनी सी, कभी न भुलाई जा सकें ऐसी है। आत्म-अभिव्यक्ति की इस भावना से प्रेरित होकर बनाया गया, 'रेडियन्स इन रिदम' कलेक्शन असाधारण हीरे और डिज़ाइन उत्कृष्टता की वजह से सबसे अनोखा है। हर आभूषण शिल्प कौशल का मास्टरक्लास है, प्राकृतिक हीरे की बेहतर गुणवत्ता से लेकर सोच-समझकर रची गयी डिज़ाइन भाषा और अनूठी सेटिंग स्टाइल तक सब कुछ अनोखा है। कलेक्शन में प्रेशियस और सेमी-प्रेशियस रत्नों की शानदार श्रृंखला आप देखेंगे, जिसमें पन्ना, सिट्रीन, एक्वामरीन, त्सावोराइट, मैलाकाइट, तंजानाइट और एमेथिस्ट शामिल हैं, जिन्हें डिज़ाइन के अनुरूप, नए-नए पैटर्न में उपयोग में लाया गया है। पावे, प्रोंग, चैनल, स्नो-पेव, बार और प्लेट प्रोंग सेटिंग जैसी प्रमुख सेटिंग्स हर स्टोन की चमक को बढ़ाती हैं। चुनिंदा डिज़ाइनों में फैंसी-कट हीरों का उपयोग किया गया है, साथ ही सुंदर मॉड्यूलेशन उनमें एक विशिष्ट चमक जोड़ते हैं। बंचिंग, बीडिंग और कस्टम-कट पत्थरों जैसी कारीगर तकनीकें कलेक्शन को और भी बेहतर बनाती हैं।

सर्जरी के बिना सफलतापूर्वक निकाली गई निगली हुई टूथब्रश

एजेंसी ● कोलकाता

24 मई की तड़के एक दुर्लभ और संभावित रूप से घातक आपातकालीन स्थिति में, एक 37 वर्षीय महिला को सुबह 2:00 बजे मणिपाल अस्पताल, मुकुंदपुर (जो मणिपाल हॉस्पिटल्स समूह का हिस्सा है – पूर्वी भारत की सबसे बड़ी अस्पताल श्रृंखलाओं में से एक) में भर्ती कराया गया। महिला ने गलती से टूथब्रश निगल लिया था। डॉ. संजय बसु, सीनियर कंसल्टेंट गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, मणिपाल अस्पताल मुकुंदपुर, ने अपनी टीम के साथ समय पर प्रतिक्रिया देते हुए एंडोस्कोपिक प्रक्रिया के जरिए महिला के पेट से टूथब्रश को सफलतापूर्वक निकाला। यह एक उच्च जोखिम वाली एंडोस्कोपी थी, जिसमें सर्जरी की आवश्यकता को टालते हुए सुरक्षित रूप से वस्तु को बाहर निकाला गया।

महिला को सांस लेने में तकलीफ और सीने में दर्द हो रहा था, जिसके कारण तुरंत चिकित्सकीय जांच की गई। हालांकि आपातकालीन प्रोटोकॉल के अनुसार छाती का एक्स-रे किया गया, लेकिन प्लास्टिक का टूथब्रश स्कैन में दिखाई नहीं दिया।

डॉ. बसु सुबह 3:00 बजे अस्पताल पहुंचे और तत्क्षण ऊपरी जीआई एंडोस्कोपी (Upper GI Endoscopy) की, जिसमें टूथब्रश पेट की गहराई में फंसा हुआ पाया गया।

डॉ. संजय बसु ने जानकारी साझा करते हुए कहा, "यह एक अत्यधिक जोखिम भरी स्थिति थी। टूथब्रश जैसे लंबे विदेशी वस्तु यदि पेट में फंसी रह जाए, तो यह गंभीर आंतरिक चोटें पहुँचा सकती है.

जैसे पेट की परत फटना, रक्तस्राव या पाचन तंत्र का पूरी तरह अवरुद्ध हो जाना। सामान्यतः निगले गए छोटे वस्तुओं या इसोफेगस में फंसी वस्तुओं की तुलना में, इस केस की चुनौती यह थी कि टूथब्रश पेट तक पहुँच चुका था। इतनी गहराई से एंडोस्कोपिक तरीके से उसे बिना चोट पहुँचाए निकालना बेहद सूक्ष्मता की मांग करता है। एक समय ऐसा भी आया जब ब्रश ऊपरी खाने की नली में फँस गया। लेकिन नियंत्रित मैनुअल तकनीक और सिर की सावधानीपूर्वक स्थिति के साथ हम इसे सुरक्षित निकालने में सफल रहे। हर कदम सोच-समझकर उठाना पड़ा—हम सर्जरी से बचने के लिए समय से दौड़ रहे थे।"

योजना में 2.50 करोड़ रूपये तक पूर्ण स्थाई अपंगता कवर और परिवार की संपूर्ण सुरक्षा की पेशकश

पीएनबी ने 1.25 करोड़ रूपये की दुर्घटना बीमा योजना को किया करार

एजेंसी ● नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र में देश के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के साथ व्यापक पीएनबी वेतन बचत योजना शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें एससीसीएल कर्मचारियों के लिए 1.25 करोड़ रुपये के बढ़े हुए दुर्घटना बीमा कवरेज की सुविधा उपलब्ध है। इस करार पर हस्ताक्षर हैदराबाद में पीएनबी एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र व दोनो संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया जो कोयला खदान श्रमिकों व उनके परिवारों को व्यापक वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है।

पेश की गईं विस्तृत कवरेज सुविधाएँ

- पीएनबी वेतन बचत योजना अभूतपूर्व कवरेज प्रदान

करती है, जिसमें शामिल हैं:

- व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा: 1.25 करोड़ रुपये तक
- हवाई दुर्घटना बीमा: 2.50 करोड़ रुपये तक
- टर्म लाइफ इंश्योरेंस: 10 लाख रुपये तक
- अस्पताल कैश बेनिफिट: प्रति वर्ष 60,000 रुपये तक
- स्थायी पूर्ण विकलांगता कवर: 1.25 करोड़ रुपये तक

परिवार केंद्रित लाभ

- यह योजना कर्मचारियों के परिवारों को व्यापक सहायता प्रदान करती है:
- पारिवारिक बैंकिंग लाभ: पति/पत्नी और 2 बच्चों तक के लिए जीरो-बैलेंस खाते, प्रत्येक को 5 लाख रूपये का पीएआई (मृत्यु) कवरेज खाताधारक की कुल बीमित राशि के भीतर।
- उच्च शिक्षा कवरेज: दो आश्रित बच्चों (25 वर्ष तक की आयु) के लिए कॉलेज और उच्च अध्ययन के लिए 5 लाख रूपये तक, तीन साल तक के लिए उपलब्ध।

अतिरिक्त बैंकिंग लाभ

- एससीसीएल कर्मी प्रीमियम बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे जिसमें शामिल है:
- फ्री डेबिट कार्ड 10 लाख रूपये के अतिरिक्त पीएआई कवरेज के साथ
- फ्री क्रेडिट कार्ड, चेक बुक और लॉकर किराये में छूट
- रिटेल ऋण पर ब्याज, डाक्यूमेंटेशन और अपफ्रंट शुल्क में छूट

वैज्ञानिक रूप से विकसित, प्लांट प्रोटीन-आधारित फॉर्मूला जो तीन शक्तिशाली प्राकृतिक अवयवों एसरोला चेरी

एमवे इंडिया द्वारा इम्युनिटी पोर्टफोलियो का विस्तार, न्यूट्रीलाइट ट्रिपल प्रोटेक्ट की शुरूआत

एजेंसी ● नई दिल्ली

लॉन्च

जीवनशैली संबंधी बढ़ती बीमारियों और बढ़ती स्वास्थ्य जागरूकता के साथ, भारत में स्वास्थ्य सेवा के प्रति जागरूक के रूप में एक स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है। बदलती उपभोक्ता ज़रूरतों के साथ तालमेल बिठाते हुए, स्वास्थ्य और सेहत क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एमवे इंडिया ने न्यूट्रीलाइट ट्रिपल प्रोटेक्ट के साथ अपनी पोषण श्रेणी उत्पादों में वृद्धि की है। प्लांट प्रोटीन-आधारित पूरक, एसरोला चेरी, हल्दी और लीकोरिस की प्राकृतिक ताकत के साथ वैज्ञानिक रूप से तैयार किया गया है। इस शक्तिशाली फॉर्मूलेशन में ऐसे पोषक तत्व हैं जो शरीर में ट्रिपल-एक्शन फॉर्मूला के साथ कार्य करते हैं - प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना, सूजन को कम करना तथा आंत, त्वचा और प्रतिरक्षा स्वास्थ्य के लिए मजबूत एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा प्रदान करना। एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक, रजनीश चोपड़ा ने लॉन्च के अवसर पर टिप्पणी करते हुए, कहा, 'चूंकि खराब पोषण देश के आधे से अधिक लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है , इसलिए समग्र स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ, प्लांट प्रोटीन आधारित उपायों की आवश्यकता आज पहले से कही ज्यादा है। आज के उपभोक्ता पहले की तुलना में अच्छे स्वास्थ्य को ज्यादा प्राथमिकता दे रहे हैं। 52% व्यक्ति सप्लीमेंट्स से सबसे बड़े लाभ के रूप

में मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली चाहते हैं - जो समग्र स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकता की बढ़ती मांग को रेखांकित करता है। उपभोक्ता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए और उत्पाद नवाचार क्षेत्र में तेजी लाने की हमारी रणनीतिक व्यावसायिक प्राथमिकता के हिस्से के रूप में, हमें अपने नवीनतम नवाचार - एमवे द्वारा न्यूट्रीलाइट ट्रिपल प्रोटेक्ट को पेश करते हुए बहुत खुशी हो रही है । यह अनूठा फॉर्मूलेशन प्रतिरक्षा, आंत और त्वचा को मजबूत बनाने के लिए विज्ञान-समर्थित अवयवों को एक साथ लाता है, जिससे व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रति सक्रिय, समग्र दृष्टिकोण अपना सके। सबसे पहले स्वास्थ्य- दृष्टिकोण के साथ, हम एमवे में व्यक्तियों को उनके स्वास्थ्य और सेहत पर नियंत्रण रखने और उनके स्वास्थ्य को लंबे समय तक बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं – जीवन न केवल लंबा होना चाहिए, बल्कि स्वस्थ भी होना चाहिए।" न्यूट्रीलाइट ट्रिपल प्रोटेक्ट टिकाऊ, प्लांट प्रोटीन-आधारित और साक्ष्य-समर्थित पोषण के फॉर्मूले पर आधारित है। प्रत्येक खुराक में विटामिन सी की अनुशंसित दैनिक खुराक (आरडीए) की 100% मात्रा मिल जाती है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली की इष्टतम अवस्था सुनिश्चित करती है। इस फॉर्मूलेशन में एसरोला चेरी का अर्क शामिल है - जो ब्राजील के उबाजरा में प्रमाणित जैविक खेतों से संधारणीय तरीकों से प्राप्त किया गया है - जिसमें आंवला की तुलना में लगभग सात गुना अधिक विटामिन-सी होता है।

मंत्री सिलावट की पहल पर सिंहस्थ के मद्देनजर बड़ी सौगात, 20 गांवों के एक लाख से अधिक लोगों को होगा लाभ

टिगरिया बादशाह से बड़ोदियाखान सांवेर तक तैयार होगी टू लेन सड़क

78 करोड़ रुपए की आएगी लागत

50 कि.मी. होगी लंबी सड़क

27 पुल-पुलियाओं का निर्माण

संवाददाता ● इंदौर

सौगात

सिंहस्थ के मद्देनजर लोगों को सड़क की एक बड़ी सौगात मिली है। सांवेर विधानसभा क्षेत्र के इन्दौर शहर के सुपर कोरिडोर स्थित टीसीएस चौराहे से लेकर सांवेर के बडोदियाखान तक लगभग 50 किलोमीटर की लंबी सडक बनेगी। इसकी लागत 78 करोड रूपये है। इसकी स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस स्वीकृति से सांवेर के 20 से अधिक गांवों के एक लाख से अधिक लोगों को लाभ होगा।

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि वर्षों से बडोदियाखान से टिगरिया बादशाह वैकल्पिक सडक मार्ग की मांग की जा रही थी, जिसे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह द्वारा वित्तीय व्यय समिति की 109वीं बैठक में अनुमोदित कर प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है। इस मार्ग के उन्नयन से इस मार्ग का उपयोग सिंहस्थ 2028 हेतु इन्दौर से उज्जैन जाने के लिए वैकल्पिक रूप से किया जा सकेगा। इस मार्ग के उन्नयन से इन्दौर एयरपोर्ट से आने वाले यात्री, महाराष्ट्र एवं गुजरात के सडक मार्ग द्वारा आने वाले वाहनों को इन्दौर होते हुए उज्जैन जाने हेतु आवागमन के लिए सुविधा होगी तथा इन्दौर उज्जैन राज्य मार्ग के यातायात भार को कम किया जा सकेगा। इस सडक मार्ग की स्वीकृति प्रदान करने पर मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह का आभार व्यक्त किया है।

सिंगल लेन से टू लेन

सिहंस्थ 2028 के दृष्टिकोण से बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए टिगरिया बादशाह, लिम्बोदागारी, पुवार्डा जुनार्दा, पालिया, सतलाना, पितावली, बघाना, मेरखेडी, मावलाखेडी, धतुरिया, टाकुन, नागपुर, मण्डोत-सिन्नीद, चित्तीडा, बालरिया, गुलावट, रालामंडल, थीराखेडी, हिण्डोलिया, टिटावदा, लोहागल, शाहदा, बडोदियाखान सडक मार्ग का उन्नयन कर सिंगल लेन से टू लेन किया जायेगा।

निर्माण अवधि 2 वर्ष

सुपर कोरिडोर स्थित टीसीएस चौराहे से सांवेर के बडोदियाखान सांवेर तक 50 किलोमीटर की लंबी सडक के निर्माण में 27 पुल-पुलियाओं का निर्माण होगा। जिसकी अवधि 2 वर्ष रहेगी।

शॉट न्यूज

एमआईसी सदस्य मनीष मामा ने पकड़ा आठ क्विंटल चावल

इंदौर। आज प्राप्त सूचना के आधार पर मनीष मामा द्वारा मांगलिया स्थित क्षेत्र में काफी समय से अवैध राशन की कालाबाजारी की सूचना के आधार पर दबिश दी गई। यहां से अवैध चावल 8 क्विंटल लावारिस पाया। आसपास जांच करने के उपरांत व्यवस्था कोई मालिक नजर नहीं आया वहां स्थित दो तीन बड़े लोडिंग गाड़ियों की भी जांच करी गई वह आगे सूचना फूड कंट्रोलर मारू को दी गई और मांगलिया स्थित संबंधित थाना क्षेत्र को भी सूचना दी गई मांगलिया चौकी प्रभारी तोमर ने थाने से अपनी टीम के उमेश पटेल वह संबंधित स्टाफ को भेजा वह पूरा माल जमा करवाया वह आगे के कार्रवाई फूड विभाग के राहुल शर्मा के द्वारा की गई।

घायल महिला को ट्रैफिक की महिला पुलिसकर्मियों ने पहुंचाया अस्पताल

इंदौर। चौराहों पर यातायात नियंत्रण के साथ ही ट्रैफिक पुलिस के हाथों चैकिंग में इन दिनों न सिर्फ चोरी के वाहन पकड़े जा रहे है ,बल्कि कई बार तो पर्स लूट जैसी वारदात में बदमाश का पीछा कर पकड़ने में भी मददगार बनी है, वहीं हादसे में घायलों की भी मदद कर रही है। महिला ट्रैफिक आरक्षकों ने ऐसी ही मदद कल गीता भवन चौराहे पर हादसे में घायल एक महिला की करते हुए उसे तत्काल अस्पताल पहुंचा दिया। गीता भवन चौराहे से गुजर रही एक स्कूटर सवार महिला महिमा चावड़ा गिर पड़ी और घायल हो गई। ये देखते ही वहां यातायात व्यवस्था संभाल रही महिला आरक्षक रानी, पूजा, गंगा और लता ने तत्काल उस महिला को स्कूटर पर बैठाया और एमवायएच अस्पताल ले जाकर प्राथमिक उपचार शुरू करवा दिया। घायल महिमा के परिजन को सूचित किया गया।

जमीन पर कब्जा करने और धमकी मामले में एसीपी को सौंपी जांच

इंदौर। बाणगंगा इलाके में विधायक के भांजे पर विकसित हो रही कॉलोनी की बाउंड्रीवाल तोड़ने और पूर्व पार्षद सहित सिक्योरिटी गार्डों को गोली मारने की धमकी देने के मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एसीपी को जांच सौंप दी गई है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर केस दर्ज होगा। गौरतलब है कि कॉलोनाइजर नवीन गोधा का आरोप है कि उनकी वैध जमीन को हथियाने के लिए आरोपी सागर तिवारी ने कोशिश की। सागर तिवारी विधायक गोलू शुक्ला का भांजा बताया जा रहा है। आरोप है कि सागर तिवारी रविवार रात ग्राम मगरोडा, तहसील मल्हारगंज में विकसित हो रही कॉलोनी में 40 से ज्यादा गुंडे-बदमाशों के साथ पहुंचा और बाउंड्रीवाल के पिलर बुलडोजर से तोड़ दिए। गोधा का कहना है कि बाणगंगा पुलिस ने शिकायत पर तत्काल कार्रवाई नहीं की। कॉलोनाइजर का आरोप है कि कुछ हमलावर शराब और मादक पदार्थों के नशे में थे।

खंडवा-खरगोन पहुंचा मानसून, 24 घंटे में इंदौर में देगा दस्तक

समय से पूर्व आने वाला मानसून 2 दिन पहुंच लेट

संवाददाता ● इंदौर

मानसून

दस दिन की देरी के बाद मानसून मध्यप्रदेश में सक्रिय हो गया है। खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर और खंडवा जिलों में बारिश शुरू हो गई है। अगले 24 घंटे में धार और इंदौर क्षेत्र में मानसून पहुंचने की संभावना है। इससे गर्मी से राहत और खरीफ बोआई की शुरूआत होगी।

जानकारी अनुसार दस दिन के ठहराव के बाद सक्रिय हुए मानसून ने तेजी से मध्य प्रदेश में प्रवेश कर लिया। देर रात मानसून दक्षिण-पश्चिम हिस्से से मध्य प्रदेश की सीमा में आया। खरगोन जिले में रविवार रात से बारिश शुरू हो गई। सोमवार दोपहर तक मानसून सिस्टम खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर और खंडवा के दक्षिणी हिस्से में सक्रिय हो चुका था। सामान्य तौर पर प्रदेश में 15 जून तक मानसून का आगमन होता है। मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि सोमवार को मानसून की उत्तरी सीमा मध्य प्रदेश के खरगोन, गुजरात के वेरावल, भावनगर, वडोदरा, महाराष्ट्र के अमरावती, छत्तीसगढ़ के दुर्ग और ओडिशा- बंगाल में बरगढ़, चांदबली, सैंडहेड आइलैंड, बलुरघाट तक पहुंच गई है। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो अगले 24 घंटों में इंदौर संभाग के धार, खंडवा और बुरहानपुर जैसे जिलों में मानसून के सक्रिय होने की पूरी संभावना है।

इसके असर से प्रदेश के दूसरे हिस्सों के तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलेगी।किसानों के लिए यह समय बेहद महत्वपूर्ण रहेगा। पहली बरसात के बाद खरीफ के फसलों की बोआई की शुरुआत हो जाएगी। मध्य प्रदेश में मानसून सामान्य तौर पर मंडला - बालाघाट इलाके से आता है। इस बार इसकी दक्षिण-पश्चिम शाखा तेजी से आगे बढ़ी और उसने निमाड से प्रवेश लिया। इससे पहले वर्ष 2022 में इस हिस्से में सबसे पहले मानसून ने प्रवेश किया था। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो यही गति बनी रही तो मानसून 22 जून तक भोपाल पहुंचेगा। ग्वालियर तक पहुंचने में एक सप्ताह का समय और लग सकता है।

वन मंडल क्षेत्र में पुलिया के पास बने जाना है 10 मीटर रोड

सड़क बनाने के लिए 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ धराया डिप्टी रेंजर

संवाददाता ● इंदौर

वन परिक्षेत्र में आने वाले पुलिया के पास बनने वाली सीमेंट कांक्रीट रोड के लिए 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते लोकायुक्त पुलिस ने डिप्टी रेंजर मोहम्मद खान को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वन ग्राम मांडवा, तहसील नेपानगर, जिला बुरहानपुर में पदस्थ है।

जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत मांडवा के उपसरपंच संजय पिता डोंगर सिंह जाधव तहसील नेपानगर जिला बुरहानपुर ने लोकायुक्त पुलिस को शिकायत की। जाधव ने शिकायत में बताया कि पंचायत में पुलिया निर्माण कार्य बाथू मोहल्ला के पास जो ग्राम हसनपुर से ग्राम मांडवा के मध्य जिसमें बीच में नाला है, पर पुलिया निर्माण और उसके दोनों ओर उसे जोड़ने के लिए 70 मीटर रोड का निर्माण होना है। इसकी स्वीकृति पंचायत को वलमंडलाधिकारी बुरहानपुर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बुरहानपुर से प्राप्त हुई। इस पुलिया का निर्माण शुरू होकर 60 मीटर रोड का निर्माण कार्य कराया जा चुका है। पुलिया के दोनों ओर पुलिया को जोड़ने के लिए आरसीसी रोड के टुकड़े का लगभग 10 मीटर का निर्माण शेष रह गया है। इस पुलिया और 70 मीटर रोड वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आती है। यही 10 मीटर निर्माण करने और 60 मीटर के पूर्व के निर्माण करने के लिए मो. खान डिप्टी रेंजर द्वारा आवेदक से 15 हजार रुपए रिश्वत की मांग की जा रही थी। इसकी शिकायत आवेदक ने लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय को की गई। इस पर इंस्पेक्टर राहुल गजभिये, विजय कुमार, कमलेश परिहार, पवन पटोरिया, आदित्य सिंह भदौरिया, मनीष माथुर, आरक्षक शिव प्रकाश पाराशर एवं चालक शेरसिंह ठाकुर ट्रेपदल का गठन किया। जैसे ही आवेदक जाधव ने मो. खान को वन चौकी मांडवा पर रिश्वत के 5 हजार रुपए दिए लोकायुक्त ने धर लिया।

आठवां स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाणगंगा में आज

प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में 929 लोगों का किया नि :शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता ● इंदौर

असंक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग और अरबिंदो मेडिकल कॉलेज द्वारा संभागायुक्त दीपक सिंह की पहल पर सीएमराइज स्कूल नन्दा नगर में प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर का लगाया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 929 लोगों का पंजीयन किया गया और विभिन्न विभागों द्वारा विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। शिविर में कैंसर, टीबी, हड्डी, हार्ट, लीवर एवं गठिया रोग, दंत रोग एवं नेत्र रोगों आदि से जुड़ी लगभग तीन हजार से अधिक जाँचें की गईं।

शिविर

इनमें मुख्य रूप से 93 ईसीजी, 138 फाइब्रोस्कैन, 432 एचबी, 444 आरबीएस, 444 एसजीपीटी, 203 एसजीओटी, 203 लिपिड प्रोफाइल, 302 ईको, 72 यूएसजी, 63 मैमोग्राफी, 30, 256 जनरल मेडिसिन, 167 कार्डियोलॉजी, 145 गैस्ट्रोलॉजी, 52 गायनेकोलॉजी, 33 पल्मोनरी, 44 रूमेटोलॉजी, 49 कैंसर स्क्रीनिंग, 65 डेंटल चेकअप, जांचें विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। संभागायुक्त दीपक सिंह ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। अरबिंदो अस्पताल के चेयरमैन डॉ.विनोद भंडारी ने बताया कि प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में विभिन्न जांचों के दौरान ऐसे मरीजों को विशेष रूप से चिह्नित किया गया जो पहले से ही किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं अथवा जिनके निकट भविष्य में किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने की संभावना है।

शिविर में कैंसर, पेट से जुड़े रोग, नेत्र, दंत, जनरल मेडिसिन, हृदय रोग, लीवर और टीबी आदि रोगों की जाँच एवं इलाज के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित रहे। प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर का उद्देश्य नागरिकों में रोगों की पूर्व पहचान कर समय पर उपचार की सुविधा देना था। आभा एवं आयुष्मान योजना के तहत भी सैकड़ों मरीजों का इलाज कर चिकित्सा परामर्श दिया गया। अरबिंदो अस्पताल के डॉ.आदित्य चौरसिया ने बताया कि प्रीवेंटिव हेल्थ केयर कार्यक्रम के तहत आठवां स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 18 जून को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाणगंगा में किया गया है। आगे के शिविर यूपीएचसी गुमाश्ता नगर, पीएचसी स्कूल बिचौली हप्सी, खजराना गणेश मंदिर, यूपीएचसी खजराना और गांधी हॉल में आयोजित किए जाएंगे।

आज सुबह आसमान में बादलों ने डेरा जमा रखा था, काली घटा देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मानों अभी मेघ बरस पड़ेंगे, हालांकि बाद में मौसम साफ हो गया।

पुराने और जर्जर होने की स्थिति के कारण होगा नवनिर्माण

गंगवाल सहित पांच मार्केट को नया बनाएगा निगम

संवाददाता ● इंदौर

नवनिर्माण

शहर में पुराने हो चुके मार्केट को निगम अब नए सिरे से बनाने की तैयारी में है। इसके लिए नगर निगम अधिकारी लंबे समय से प्रयास कर रहे हैं। बताया जाता है कि नए बनने वाले मार्केट की डिजाइन फाइनल हो चुकी है। जल्द ही उनके लिए काम भी शुरू हो सकता है। हालांकि पुराने मार्केट को तोड़ना एक बड़ी चुनौती सामने आ रही है। यहां कारोबार करने वाले व्यापारी इन है जल्दी खाली करने की तैयारी में नहीं है। अब बताया जा रहा है कि 6 महीने का समय पुराने मार्केट को नए बनाने के पहले चरण के लिए दिया जा रहा है। पहले चरण में गंगवाल बस स्टैंड कोठारी मार्केट सहित पांच मार्केट को नया बनाया जाएगा। निगम अधिकारियों के अनुसार शहर में स्थित नगर निगम के अधिकांश मार्केट बहुत पुराने होकर जर्जर स्थिति में पहुंच चुके हैं। ऐसे में इन्हें नए स्वरूप में बनाए जाने की तैयारी है। इसके साथ ही खाली पड़ी नगर निगम की जमीन पर किसी दूसरी जगह मार्केट तैयार किए जाए। निगम मार्केट को लेकर पहले भी स्मार्ट सिटी कंपनी ने भी योजना बनाई थी, लेकिन फिर किसी कारण काम नहीं हुआ और अंततः स्मार्ट सिटी कंपनी ही बंद हो गई। अब नगर निगम इसका निर्माण करने जा रहा है।

पिछले दिनों इसको लेकर महापौर पुष्यमित्र भार्गव और राजस्व विभाग के समिति प्रभारी निरंजन सिंह चौहान ने भी मिलकर योजना बनाई थी और उसी के अनुसार अब काम होने जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि जहां पर पुराने मार्केट जर्जर अवस्था में हैं उन्हें तोड़ा जाएगा। यह बताया जाता है कि शहर में जिन 5 प्रमुख स्थानों पर नए मार्केट तैयार होंगे। उनमें से गंगवाल बस स्टैंड, शास्त्री मार्केट, कोठारी मार्केट, वल्लभ नगर, विजयनगर, मल्हारगंज टेम्पो स्टैंड, हरसिद्धि पंढरीनाथ रोड और निगम मुख्यालय के बाहर हैं। जहां पर पहले चरण में काम होने जा रहा है। हालांकि यह केवल एक शुरुआत है। इन नए मार्केट बनाने के पीछे नगर निगम के दो उद्देश्य हैं पहला तो यह कि निगम को राजस्व अतिरिक्त रूप से मिलेगा।लोगों को रोजगार मिलेगा।

कुछ नए क्षेत्रों में भी निगम बनाएगा मार्केट

जानकारी अनुसार पुराने निगम मार्केटों को नया स्वरुप देने से अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है, यही कारण है कि नए मार्केट बनाने की तैयारियां हैं। हालांकि इस तरह के मार्केट अन्य इलाकों में भी बनेंगे। फिलहाल इस योजना पर जल्द ही आगे की तैयारियां की जा रही हैं। राजस्व समिति प्रभारी निरंजन सिंह चौहान ने बताया कि पहले चरण में प्रमुख 5 स्थानों पर काम होने जा रहा है और आगे अन्य इलाकों में भी नए मार्केट बढ़ाने की तैयारियां है। फिलहाल डिज़ाइन तैयार और इस पर काम चल रहा है। एक साल में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत यह मार्केट तैयार करना होंगे और मार्केट बनाने की लागत कितनी आएगी।इस पर डीपीआर तैयार कर लिया गया है और जो कंपनी मार्केट तैयार करेगी। वही इसका रखरखाव संधारण भी करने जा रही है। टेंडर की तैयारी की जा रही है।

रिसर्च और एआई में निवेश के बिना हम आगे नहीं बढ़ सकते

यूके को पीछे छोड़कर भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। एक-दो वर्षों में वह जापान से आगे निकलकर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन जाएगा। देश में कोविड के बाद हुई आर्थिक वृद्धि को हल्के में नहीं लिया जा सकता। बीते तीन वर्षों में जब विश्व की अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल मची थी तो भारत की जीडीपी तकरीबन 8% की दर से बढ़ी है। यह प्रभावी है। फिर भी भारत की बढ़ती आर्थिक क्षमताओं से अधिक उत्साहित होना क्या तर्कसंगत है? हमें विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के सांख्यिकीय मायनों को समझ लेना चाहिए।

भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। प्रति व्यक्ति आय के संदर्भ में हमारी रैंकिंग अब भी निम्न-मध्यम आय वाले देश की है। पर-कैपिटा नॉमिनल जीडीपी में भारत 194 देशों में 143वें स्थान पर है और प्रति व्यक्ति क्रय शक्ति (पीपीपी) में 125वें स्थान पर। इन रैंकिंग्स में हमारी स्थिति में थोड़ा सुधार जरूर हुआ है, लेकिन बहुत अधिक नहीं। शायद ये आंकड़े हमें थोड़ा विनम्र बनाएं। लेकिन हमें समग्र जीडीपी के लिहाज से भी दुनिया के शीर्ष पांच देशों में खड़े होने की अपनी महत्ता को कमतर नहीं आंकना चाहिए। चीन का उदाहरण लें। नॉमिनल पर-कैपिटा जीडीपी के लिहाज से वह दुनिया में 69वें और पीपीपी पर-कैपिटा जीडीपी के मानकों पर 72वें क्रम पर है। इन आंकड़ों के बावजूद दुनिया में उसके दबदबे पर कोई फर्क नहीं पड़ता। उसकी आर्थिक और रणनीतिक ताकत दुनिया में अमेरिका के बाद सबसे अधिक है और कहीं-कहीं तो उससे भी अधिक है।

दुनिया पर भारत के प्रभाव को भी उसकी प्रति व्यक्ति रैंकिंग के बजाय उसकी ओवरऑल जीडीपी रैंकिंग के आधार पर ही मापा जाना चाहिए। लेकिन विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं और भारत के बीच जो अंतर है, हमें उसको भी ध्यान में रखना होगा। अमेरिका की नॉमिनल जीडीपी 30 ट्रिलियन डॉलर की है और चीन की 19 ट्रिलियन डॉलर की। जबकि भारत की अभी

2018 में भारत सरकार ने कहा था कि 2025 तक हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होंगे। बहुत-से विशेषज्ञों ने उस समय इस लक्ष्य पर संशय जताया था। कोविड के दो सालों में भी भारत की अर्थव्यवस्था को धक्का पहुंचा। लेकिन भारत के 5 ट्रिलियन इकोनॉमी बनने का सपना देख रहे लोग इस बात पर निराश होंगे कि हम लक्ष्य से पिछड़ गए हैं। 2018-19 में भारत की जीडीपी 2.8 ट्रिलियन डॉलर थी और 2024-25 में 3.9 ट्रिलियन डॉलर है। हम 1.1 ट्रिलियन डॉलर पीछे हैं।

महज 3.9 ट्रिलियन डॉलर ही है। 2018 में भारत सरकार ने कहा था कि 2025 तक हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होंगे। बहुत-से विशेषज्ञों ने उस समय इस लक्ष्य पर संशय जताया था। कोविड के दो सालों में भी भारत की अर्थव्यवस्था को धक्का पहुंचा। लेकिन भारत के 5 ट्रिलियन इकोनॉमी बनने का सपना देख रहे लोग इस बात पर निराश होंगे कि हम लक्ष्य से पिछड़ गए हैं। 2018-19 में भारत की जीडीपी 2.8 ट्रिलियन डॉलर थी और 2024-25 में 3.9 ट्रिलियन डॉलर है। हम 1.1 ट्रिलियन डॉलर पीछे हैं। अब आशा है कि हम यह लक्ष्य 2029 तक हासिल कर लेंगे।

अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण सेक्टरों में दुनिया भारत के बढ़ते प्रभाव को मानती है, लेकिन इनका भी विश्लेषण करें तो मिली-जुली-सी कहानी ही सामने आती है। भारत विश्व का सबसे बड़ा एआई यूजर है और दुनिया की 16 प्रतिशत एआई प्रतिभा भी हमारे यहां है। भारत चाहता है कि एआई के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व वह करे। फिर भी इस क्षेत्र में निवेश के मामले में हम दूसरे देशों से बहुत पीछे हैं। स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकताओं का अनुमान है कि एआई सेक्टर में भारत में सिर्फ 1.2 अरब डॉलर का ही निजी निवेश हुआ है।

अमेरिका में सर्वाधिक 109 अरब डॉलर का निवेश हुआ है, लेकिन चीन में भी भारत से सात गुना अधिक निवेश हुआ है। इकोनॉमिस्ट के एक नए लेख में सवाल उठाया गया है कि क्या भारत एआई के क्षेत्र में विजेता बन पाएगा? लेख का निष्कर्ष यह है कि भारत को अभी बहुत कुछ करना बाकी है। हाल के दिनों में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की सबसे चर्चित खबर यह रही है कि एपल अमेरिका में बिकने वाले अपने 20 प्रतिशत स्मार्ट फोन की असेंबलिंग भारत में कर रहा है और 2026 तक यह आंकड़ा 100 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। यह निश्चित ही प्रभावित करता है, लेकिन सच्चाई यह भी है कि भारत में सिर्फ फोन की असेंबलिंग हो रही है, लगभग सभी पुर्जे तो अब भी चीन में बन रहे हैं।

संत वचन

अक्सर इन सभी के कारण अपने मंत्रालय के दौरान बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यही कारण है कि प्रभु ने उन फरीसियों की आलोचना की और उन्हें उनके व्यवहार के लिए फटकार लगाई, जिसे उन्होंने इस प्रकार उजागर किया कि यह उनके पूर्वजों और पूर्वजों द्वारा दिखाए गए व्यवहार से मिलता-जुलता था, जो प्रभु और उनकी सच्चाई पर भरोसा करने के बजाय अपनी इच्छाओं, अपनी समझ और चीजों की व्याख्या के अनुसार चलने की उनकी जिद थी। उनका अभिमान और अहंकार, महत्वाकांक्षाएं और इस दुनिया की इच्छाएं उन्हें गलत रास्ते पर ले गईं और उन्हें प्रभु से और भी दूर कर दिया, क्योंकि उन्होंने प्रभु के लिए अपने दिल और दिमाग के दरवाजे बंद कर दिए थे। यह वह रवैया है जो प्रभु नहीं चाहते कि हममें से कोई भी रखे, ताकि हम यह न सोचें कि हमारे तरीके ... और पद्धतियां बेहतर हैं या हम अपने आस-पास के लोगों की तुलना में किसी तरह बेहतर और श्रेष्ठ हैं।

गिग वर्कर होना और सही ग्राहक खोजना आसान काम नहीं है

आप जानते हो कि आपके संभावित ग्राहक कहां रहते हैं। पर मुसीबत यह है कि उनसे कैसे मिला जाए। वो एक गेटेड कॉलोनी में रहते हैं, जहां कोई उनकी बिना अनुमति प्रवेश नहीं कर सकता। अब आप क्या करोगे? आप बेंगलुरु के 40 वर्षीय पद्मनाबन अब्बास को गुरु बना लीजिए। अब्बास ने 2006 में इंजीनियरिंग पूरी की और 2008 में पहला स्टार्टअप शुरू करने से पहले कुछ समय के लिए आईटी में काम किया था। बाद में दो साल का ब्रेक लिया और फिर एक टेक फर्म शुरू की, जिसने कोविड के दौरान मुसीबतों का सामना किया।

जहां फर्म के कई पूर्व फाउंडर्स ने कॉर्पोरेट की वेतनभोगी नौकरियां कर लीं या अस्थायी तौर पर कंसल्टिंग का काम करने लगे, वहीं अब्बास ने एक मिला-जुला-सा रास्ता चुना। सुबह के वक्त वह सॉफ्टवेयर डेवलपर के तौर पर काम करते और शाम को फूड डिलीवरी। अब आप यह मत कहना कि ह्यइसमें क्या है? अतिरिक्त पैसा कमाने के लिए बहुत-से लोग ऐसा करते हैं।ह्न अब्बास ने पैसा बनाने के लिए इस दूसरी नौकरी का विकल्प नहीं चुना। वह बिजनेस कनेक्शन बनाने के लिए सोच-समझ कर फूड डिलीवरी वर्कर बने। जी, हां... उन्होंने खाना पहुंचाने के दौरान अपने संभावित ग्राहकों से व्यक्तिगत तौर पर मिलने का फैसला किया।

एडिट.नोट

प्रत्यक्षता और जोखिम लेने की क्षमता के कारण अब्बास का यह नजरिया पिछले बुधवार तब अनोखे तरीके से सामने आया, जब एक ग्राहक ने अब्बास के फुल स्टेक डेवलपर के तौर पर सेवाएं देने के बारे में प्रकाशित उनका विज्ञापन सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। वो हर फूड डिलीवरी के समय ग्राहकों को प्रिंटेड विज्ञापन देते हैं। तब ही से वह वायरल हो गया। विज्ञापन में वेब डेवलपमेंट के क्षेत्र में अब्बास के 19 वर्षों के अनुभव, मोबाइल एप्स, यूआई/यूएक्स डिजाइन और मशीन लर्निंग के साथ उनके व्यक्तिगत संपर्क विवरण को हाईलाइट किया गया था। यह पोस्ट खूब शेयर की गई। कई लोग अब्बास के चतुराईपूर्ण दृष्टिकोण से प्रभावित हुए।

खाना डिलीवरी के दौरान संभावित ग्राहकों से व्यक्तिगत तौर पर मिलने के अब्बास के तरीके ने उसके लिए बेहतर काम किया। लेकिन इसके लिए आपको कुछ बुनियादी बातें समझनी होंगी। इनमें यह शामिल हैं। ग्राहकों तक पहुंचने से पहले आपको ये जानने की जरूरत है कि आप किसे खोज रहे हैं। आपकी खासियत क्या है और आप किसकी समस्या हल करोगे। क्योंकि जब तक आपके पास समस्या का हल नहीं होगा तो आप महज 30 सेकंड के ध्यान देने योग्य समय में किसी को प्रभावित नहीं कर पाओगे। अपनी क्षमता को पहचानोगे तो आपको उन संभावित ग्राहकों को पहचानने में मदद मिलेगी, जो आपके कौशल के लिए उपयुक्त हैं।

जब आप ग्राहकों को पहचान लें तो रिसर्च करें। उनकी वेबसाइट, सोशल मीडिया प्रोफाइल और उन सभी स्थानों को चेक करें, जहां उनकी ऑनलाइन मौजूदगी हो सकती है। यह आपको ग्राहक और उनकी जरूरतों के बारे में जानकारी देगा और बताएगा आप कैसे उनकी मदद कर सकते हैं। आप अब्बास की तरह भी ग्राहकों से मिल सकते हो या सार्वजनिक स्थल, यात्रा, थिएटर आदि में मिलने का नया रास्ता भी खोज सकते हो। रिसर्च के दौरान इस बारे में आइडिया मिल ही जाएंगे। हो सकता है इनमें से कुछ आइडिया काम ना करें, लेकिन यदि आपके भीतर दृढ़ता है तो कोई एक जरूर काम करेगा। नेटवर्क का फायदा उठाना भी ना भूलें। दोस्तों, परिजनों, सहकर्मियों से संपर्क करें, नेटवर्किंग इवेंट्स में जाएं और देखें कि क्या वे किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं, जिसे आपकी सेवाओं की जरूरत हो। अब जबकि आप जानते हो कि आप किसे तलाश रहे हो, उसकी क्या जरूरत है और आशा है कि आप जल्द उससे मिलने वाले हैं तो उसके लिए अचंभित करने वाली योजना बनाने का समय है। आपकी तैयारी हर ग्राहक विशेष के लिए होनी चाहिए, जिसमें इस बात पर जोर दिया जाए कि आप कैसे उसकी समस्या हल करेंगे। योजना को छोटा और कारगर रखें, और अपने अनूठे कौशल और अनुभव को हाईलाइट करना न भूलें। और हां, फॉलोअप जरूर करें, लेकिन विनम्रता के साथ।

लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन - लेखक

ईरान का टकराव केवल यूएस-इजराइल से ही नहीं है

कृ ईरान और इजराइल के बीच आज जो तनातनी चल रही है, उसकी जड़ें 1979 की ईरानी क्रांति में हैं, जिसने शिया धर्मतंत्र को जन्म दिया। इस नए इस्लामी गणराज्य ने न केवल ईरान को नया रूप देने की कोशिश की, इसकी महत्वाकांक्षा इस्लामी दुनिया का नेतृत्व करने की भी रही। इसने प्रतिद्वंद्विता को जन्म दिया और सऊदी अरब जैसी सुन्नी ताकतें ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव को चुनौती देने के लिए एकजुट होने लगीं। उसी समय, अरब राज्यों ने इजराइल के हाथों बार-बार सैन्य पराजय झेलने के बाद अपने कट्टरपंथी एंटी-जायोनिस्ट रुख में नरमी लाना शुरू की। ईरान ने उग्र इजराइल विरोधी रुख के साथ उस वैचारिक शून्य में कदम रखा। समय के साथ इसने अपनी सीमाओं से परे जाकर ताकत दिखाने के लिए हिजबुल्ला, हमास, हूतियों जैसे सशस्त्र प्रॉक्सी को समर्थन दिया। आज ईरान अरब देशों की तुलना में कहीं आक्रामक रूप से इजराइल विरोधी हो गया है।

इस टकराव ने ईरान के तीन उद्देश्यों को पूरा किया है : घरेलू शासन को मजबूत करना, क्षेत्रीय वर्चस्व का दावा करना और खाड़ी के पश्चिम की तरफ रुझान रखने वाले सुन्नी राजतंत्रों के समक्ष एक रैडिकल विकल्प पेश करना। परमाणु हथियारों के एंगल ने इन तनावों को और बढ़ाया है। ईरान का परमाणु-कार्यक्रम केवल न्यूक्लियर-डिटरेंट के सिद्धांत पर आधारित नहीं है, यह इजराइल की अघोषित परमाणु क्षमता के खिलाफ एक रणनीतिक बचाव भी है। आज ईरान का घोषित शत्रु भले ही इजराइल हो, लेकिन अगर ईरान ने एटम बम बना लिया तो यह पश्चिम एशिया और मध्य एशिया में दूसरे शक्ति-संतुलनों को भी बदल देगा।

ईरान के परमाणु और सैन्य बुनियादी ढांचे पर इजराइल के नवीनतम हमलों को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। इजराइली खुफिया एजेंसियों ने संभवतः यह आकलन किया था कि ईरान परमाणु हथियार क्षमता से कुछ सप्ताह दूर है। इस तरह की पिछली चेतावनियां हमेशा सटीक साबित नहीं हुई हैं, जैसा कि दो दशक पहले इराक में हुआ था। फिर भी, तेल अवीव ने जिस तरह की तत्परता का परिचय दिया, वह बहुत कुछ बताता है। कुछ लोगों का मानना है कि इसके पीछे घरेलू राजनीति का गणित भी है, क्योंकि नेतन्याहू गम्भीर कानूनी और राजनीतिक दबावों का सामना कर रहे हैं। इजराइल के हमलों में संदिग्ध परमाणु स्थलों, ड्रोन फेसिलिटीज और मिसाइल डिपो के खिलाफ हवाई और लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। ईरान को नतांज में जरूर कुछ नुकसान हुआ है, लेकिन पहाड़ों के नीचे दबी हुई फोर्दो साइट को केवल हवाई ताकत से नहीं भेदा जा सकेगा।

फिर भी, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को आंशिक क्षति भी इजराइल के द्वारा एक रणनीतिक लाभ के रूप में देखी जाएगी। ईरान के अधिकांश प्रॉक्सी नेटवर्क- चाहे वो हिजबुल्ला हो, हूती हों या इराक-सीरिया में मिलिशिया हों- पहले ही कमजोर हो चुके हैं, इसलिए अब इजराइल ईरान की पारंपरिक सैन्य संपत्तियों को व्यवस्थित रूप से निशाना बना रहा है। इनमें एयरबेस, राडार सिस्टम, ड्रोन कारखाने, मिसाइल लॉन्चर और लॉजिस्टिक्स नोड्स- सब शामिल हो सकते हैं। इजराइली खुफिया महकमा यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा कि ये प्रॉक्सी जल्दी से फिर न उभर पाएं।

हालांकि अमेरिका ने इस सबसे से अभी तक अपने को दूर रखा है, लेकिन इजराइल के प्रति उसका समर्थन स्पष्ट और मजबूत है। दुनिया ऊर्जा और समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंतित है। होर्मुज स्ट्रेट में या उसके आस-पास कोई भी अस्थिरता वित्तीय बाजारों को हिला सकती है। यदि लड़ाई लंबी खिंच गई तो भारत और चीन जैसे ऊर्जा का आयात करने वाले देश इसका प्रभाव महसूस करेंगे। तीन सप्ताह से अधिक समय तक चलने वाला युद्ध वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को गंभीर रूप से बाधित कर सकता है और व्यापक ऊर्जा संकट को जन्म दे सकता है। यूक्रेन के साथ युद्ध में फंसा रूस इस लड़ाई में किसी भी प्रत्यक्ष भागीदारी से बचना चाहेगा। ईरान और सऊदी अरब के बीच कूटनीतिक संबंधों को बेहतर बनाने के लिए मध्यस्थता करने वाला चीन स्वार्थ के चलते संयम बरतने का आह्वान करेगा। तुर्किये फिलिस्तीन-समर्थक बयानबाजी करता रहेगा। इस पूरे मामले में अरब देश मुश्किल स्थिति में हैं। सऊदी अरब, यूएई और बहरीन- जो अब्राहम समझौते के जरिए इजराइल से जुड़े हैं- तटस्थ रहना पसंद करते हैं। लेकिन उन्हें अंदरूनी अशांति का खतरा है। मिस्र और जॉर्डन भी सुरक्षा खतरों से ज्यादा अपनी जनता के विरोध के बारे में चिंतित हैं।

बिजनेस

अंबानी को एशियन-पेंट के शेयरों में 9000 करोड़ का मुनाफा: 2008 में 500 करोड़ में शेयर खरीदे थे

मुंबई। भारत के सबसे अमीर शख्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को एशियन पेंट के शेयरों से 2200% का मुनाफा हुआ है। 2008 में जब पूरी दुनिया ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस की चपेट में थी तब उन्होंने एशियन पेंट्स की 500 करोड़ में 4.9% हिस्सेदारी खरीदी थी। अब 17 साल बाद इसे 9,080 करोड़ के प्रॉफिट में बेचा है। अपनी सहायक कंपनी सिद्धांत कॉमर्शियल्स के जरिए ये हिस्सेदारी बेची है। अगर डिविडेंड को भी जोड़ा जाए, तो ये मुनाफा 10,500 करोड़ तक पहुंच जाता है। यानी, रिलायंस को लगभग 24 गुना रिटर्न मिला है।

प्रूडेंशियल और रइकम्यूचुअल फंड को बेचे शेयर कंपनी ने 16 जून को ऐलान किया कि उसने एशियन पेंट्स में अपनी बची-खुची 87 लाख शेयरों की हिस्सेदारी क्ळक्ळक प्रूडेंशियल लाइफ म्यूचुअल फंड को 1,876 करोड़ रुपए में बेच दी। ये शेयर औसतन 2,207.65 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से बेचे गए।

इससे पहले पिछले हफ्ते रिलायंस ने 3.5 करोड़ शेयर रइक म्यूचुअल फंड को 7,704 करोड़ रुपए में बेचे थे, यानी प्रति शेयर 2,201 रुपए। कुल मिलाकर, 2008 में 500 करोड़ रुपए में खरीदी गई 4.9% हिस्सेदारी ने रिलायंस को 9,000 करोड़ रुपए का मुनाफा दिया।

रिलायंस ने ये हिस्सेदारी क्यों बेची है?- एशियन पेंट्स भारत की सबसे बड़ी डेकोरेटिव पेंट कंपनी है, लेकिन पिछले कुछ समय से उसे मार्केट में कड़ी टक्कर मिल रही है। नए खिलाड़ी, खासकर बिर्ला ग्रुप की बिरला ओपस पेंट्स ने एशियन पेंट्स की बादशाहत को चुनौती दी है।

एलारा सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के मुताबिक, ऋ25 में एशियन पेंट्स का मार्केट शेयर 59% से घटकर 52% हो गया है। इससे एशियन पेंट्स का स्टॉक पहले जितना तेजी से नहीं बढ़ रहा है। पिछले एक साल में एशियन पेंट्स का शेयर 20% से ज्यादा गिर चुका है। ये मार्केट में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले ब्लू-चिप स्टॉक्स में से एक बन गया है। ऐसे में रिलायंस को मुनाफा कमाने का सही समय लगा। पांच साल पहले भी रिलायंस ने अपनी हिस्सेदारी बेचने की सोची थी। तब जियो के भारी-भरकम निवेश के बाद कंपनी कर्ज कम करने पर काम कर रही थी, लेकिन डील नहीं हो पाई।एशियन पेंट्स अभी भी भारत की सबसे बड़ी डेकोरेटिव पेंट कंपनी है, जिसकी सालाना प्रोडक्शन कैपेसिटी 18.5 लाख किलो लीटर है। देशभर में 74,129 डीलर्स का नेटवर्क है।

एशियन पेंट्स की शुरूआत 1942 में हुई थी। इसे 4 दोस्त ने पार्टनरशिप में शुरू किया था। 1968 से पेंट मार्केट में इसकी बड़ी हिस्सेदारी रही है। फिलहाल एशियन पेंट्स 15 देशों में काम करती है। दुनिया भर में इसकी 27 पेंट मैन्यूफैक्चरिंग फैसिलिटीज हैं, जो 60 से ज्यादा देशों में अपने प्रोडक्ट्स बेचती है।

राज-काज

शेयर बाजार में इस हफ्ते तेजी का अनुमान

मुंबई। इस सप्ताह 100 से ज्यादा कंपनियां अपने मार्च 2025 तिमाही यानी चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। टेक्नोलॉजीज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रइक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसी बड़ी कंपनियों के भी रिजल्ट्स आएंगे। बाजार की यूरोपियन यूनियन और चीन के साथ अमेरिका की ट्रेड वार्ता पर कड़ी नजर रहेगी। अमेरिका ने चीन को छोड़कर सभी ट्रेड पार्टनर्स के लिए टैरिफ रेट के इम्प्लिमेंटेशन को 90 दिनों तक रोक दिया है। पिछले हफ्ते अमेरिका ने चीन के प्रोडक्ट्स पर 245% टैरिफ की घोषणा की, जिससे दोनों देशों के बीच ट्रेड टैरिफ वॉर बढ़ गई। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों की-पार्टनर्स के साथ समझौते पर पहुंचने की बात कही है। इस बीच पिछले हफ्ते भारतीय इक्विटी में निवेशकों की भावना इस उम्मीद से बढ़ी कि अमेरिका-चीन व्यापार विवाद भारत को नुकसान नहीं।

सेंसेक्स 213 अंक नीचे, 81,583 पर बंद: निफ्टी में भी 227 अंक की तेजी रही

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 16 जून को बढ़त रही। सेंसेक्स 677 अंक चढ़कर 81,583 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 227 अंक की तेजी रही, ये 24,946 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में तेजी और 3 में गिरावट देखने को मिली। आज एनर्जी, बैंकिंग, क्ळ और ऋउ्र शेयर्स में बढत रही। टेक महिंद्रा, क्ळउ और इंफोसिस के शेयर करीब 2% चढ़कर बंद हुए।एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 477 अंक (1.26%) की बढ़त के साथ 38,311 पर और कोरिया का कोस्पी 52 अंक (1.80%) चढ़कर 2,946 पर बंद हुआ।

हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 168 अंक (0.70%) बढ़कर 24,060 के स्तर पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 11 अंक (0.35%) चढ़कर 3,388 पर बंद हुआ।

13 जून को अमेरिका का डाउ जोन्स 1.79% गिरकर 42,197 पर बंद हुआ। वहीं नैस्डेक कंपोजिट 1.30% गिरकर 19,406 पर और 500 1.13% गिरकर 5,976 पर बंद हुआ।

पंप और मोटर बनाने वाली कंपनी ओसवाल पंप्स का क्ढड यानी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग 13 जून से ओपन हो गया है। निवेशक इसमें 17 जून तक अप्लाई कर सकते हैं। कंपनी के शेयर 20 जून को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (इरए) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (ठरए) पर लिस्ट होंगे। ओसवाल पंप्स क्ढड के जरिए कुल 1,387.34 करोड़ जुटाना चाहती है। इसमें से 890 करोड़ के नए शेयर (फ्रेश इश्यू) जारी किए जाएंगे और 497.34 करोड़ के शेयर ऑफर फॉर सेल के तहत बेचे जाएंगे।बेलराइज इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2025 25) की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे जारी किए हैं। द4ऋ25 में बेलराइज इंडस्ट्रीज का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 574.9% बढ़कर 110 करोड़ हो गया, जो वित्तीय वर्ष 2024 (द4ऋ24) की चौथी तिमाही में 16 करोड़ था। ऑपरेशन से होने वाला रेवेन्यू, द4ऋ25 में 49% बढ़कर 2,274.3 करोड़ हो गया, जो द4ऋ24 में 1,526.2 करोड़ था।

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में मंडी-जाहू मार्ग पर पत्रीघाट के पास एक बस के खाई में गिर जाने के बाद बचाव कार्य जारी है। अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना में 15 से अधिक यात्री घायल हुए हैं।

सोना ऑलटाइम हाई पर, 10 ग्राम 99,147 का हुआ:जनवरी से अब तक 23,211 महंगा

नई दिल्ली। सोना आज यानी 16 जून को अपने ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (क्चखअ) की वेबसाइट के अनुसार सोना 315 बढ़कर 99,373 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले सोना पर 99,058 था। वहीं 13 जून को सोने ने 99,170 का ऑलटाइम हाई बनाया था।दिल्ली: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,660 और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,200

कोलकाता: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,510 और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,050चेन्नई: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,510 और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,050भोपाल: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,560 और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,100 इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 23,211 रुपए बढ़कर 99,373 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 20,683 रुपए बढ़कर 1,06,700 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि जियो पॉलिटिकल टेंशन बने हुए हैं। इजराइल और ईरान के बीच भी जंग शुरू हो गई है। इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 3 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी इस साल 1 लाख 30 हजार रुपए तक जा सकती है। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (इकर) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी լवक्ळ कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है।

रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनों को दिया जाएगा 250 रूपए शगुन

लाड़ली बहनों को आत्मनिर्भर बनाना सरकार का लक्ष्य : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि माताओं, बहनों और बेटियों को मान-सम्मान और उनका वाजिब हक दिलाने में राज्य सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। लाड़ली बहनों को आत्मनिर्भर बनाने, सुरक्षा, सम्मान, स्वाभिमान और समृद्धि प्रदान करने के लिए हमारी सरकार द्वारा हर महीने बहनों के खातों में राशि भेजकर बहनों का रक्षाबंधन मनवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले महीने रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में लाड़ली बहनों को 250 रूपए बढ़ाकर दिया जाएगा, जिससे ताकि बहनें उत्साह पूर्वक त्यौहार मना सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जबलपुर जिले के बेलखेड़ा गांव में राज्य स्तरीय लाड़ली बहना एवं महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की लाड़ली बहनों सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के जरिये 2081 करोड़ रूपसे से अधिक की सम्मान एवं सहायता राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हमारी सरकार ने विरासत से विकास का संकल्प लिया है। जबलपुर क्षेत्र महारानी दुर्गावती, रानी अवंतीबाई जैसी वीरांगनाओं की धरती है। हमारी सरकार ने इन वीरांगनाओं के नाम पर योजनाएं चलाई हैं। इनका लाभ प्रदेश की लाखों महिलाओं को मिल रहा है। उन्होंने

शगुन

कहा कि प्रदेश की माताओं और बहनों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाना ही हमारा लक्ष्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पूरे देश सहित मध्यप्रदेश की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की 1 करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना की जून माह की किश्त 1551 करोड़ 44 लाख रूपये अंतरित किये। योजनान्तर्गत लाड़ली बहनों को मिलने वाली यह 25वीं किश्त है। योजना में प्रत्येक लाड़ली बहना को प्रत्येक माह 1250 रूपये की राशि उनके बैंक खाता में अंतरित की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों की जिंदगी को बेहतर करने मध्यप्रदेश सरकार प्रति महीने साढ़े पंद्रह सौ करोड़ रुपए अंतरित करती है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल में 30 हजार करोड़ रूपए से अधिक की राशि बहनों को दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रूपए की राशि, 27 लाख से अधिक बहनों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत सिलेंडर रिफिलिंग की 39.14 करोड़ रुपए की अनुदान राशि और मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना में 6 हजार 821 श्रमिक परिवारों को 150 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि का भी सिंगल क्लिक से अंतरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ वितरण करने के साथ ही करीब 22 करोड़ 44 लाख रूपये के विकास कार्यों का भी लोकार्पण और भूमि-पूजन किया।

गरीबों को मिल रहा निःशुल्क खाद्यान्न

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रेडीमेड गारमेंट के माध्यम से व्यवसाय करने वाली बहनों को 5 हजार रुपए अलग से देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कोदो-कुटकी खरीदने पर प्रति क्विंटल 1 हजार रुपए का बोनस देना प्रारंभ किया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 1 करोड़ 33 लाख परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न देने का काम भी सरकार कर रही है। बच्चों की पढ़ाई, लिखाई की जवाबदारी सरकार निभा रही है। उन्होंने कहा कि अगले महीने मेधावी छात्रों को स्कूटी और लैपटॉप भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने सांदीपनि विद्यालयों का जिक्र करते हुए कहा कि विद्यालयों में सभी प्रकार के पाठ्यक्रमों की पढ़ाई के साथ खेलों को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर की लाड़ली बहना "गंगा" द्वारा योजना की राशि से सिलाई मशीन व किराना दुकान के माध्यम से अर्जित आय से बेहतर जिंदगी जीने का जिक्र किया।

मुख्यमंत्री की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बरगी विधायक नीरज सिंह के अनुरोध पर बेलखेड़ा में शासकीय महाविद्यालय प्रारम्भ करने और शहपुरा में अनुविभागीय राजस्व कार्यालय व शासकीय कर्मचारियों के आवास भवन के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने शहपुरा में एसडीओपी की पदस्थापना की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों का आशीर्वाद मिल जाए तो जिंदगी धन्य हो जाती है। उन्होंने कहा कि भाई अकेले अपने घर को गौरवान्वित करता है जबकि बहनें ससुराल और मायके दोनों घरों का गौरव बनती हैं।

सबको मिले पक्का आवास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांव, पहाड़ और नगर में रहने वाले, कच्चे और टूटे छत के मकान में रहने वाले सभी लोगों को पक्का मकान देने का काम किया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना से हमारी माताओं और बहनों की आंखों को धुएं से मुक्ति दिलाने का काम भी प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गैस रिफिलिंग के तहत प्रदेश की 27 लाख से अधिक बहनों के खाते में भी आज 39.14 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई है।

शॉट न्यूज

भोपाल-देवास हाईवे पर बसों में तोड़फोड़, यात्रियों से बदसलूकी

भोपाल। भोपाल इंदौर राजमार्ग पर आज ग्राम कोठरी में एक यात्री बस पर पत्थर मारने की घटना घटित हुई है। बताया गया है कि यह घटना वी आईटी कॉलेज के पास में हुई है। यात्री गाड़ी पर पत्थर मार देने के बाद बस वहां रुक गई है और मामले की सूचना आष्टा थाना पुलिस को दी गई है। बताया गया है कि वीआईटी कॉलेज के पास सवारी ने पत्थर मार दिया जिससे बस के कांच टूट गए हैं। जानकारी के मुताबिक एक लड़का बस में बैठा हुआ था, चलती बस में से कूद रहा था बस जैसे ही वाहन चालक ने रोकी तो उसने बस के कांच पर पत्थर मार दिया। बताया गया है कि बस चालक बस को लेकर अमलाहा चौकी पुलिस पहुंच गया है जहां पर आरोपी को बस से उतार कर जमकर पिटाई कर दी गई है और उसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। यह बस इंदौर से भोपाल की और जा रहीं थी।

आकाशीय बिजली का कहर! सिंगरौली में पांच की मौत

सिंगरौली। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में सोमवार को आकाशीय बिजली गिरने की अलग-अलग घटनाओं में एक बुजुर्ग महिला और तीन नाबालिगों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जियावां, चितरंगी और बरगवां पुलिस थाना क्षेत्र में बिजली गिरने से इन लोगों की मौत हुई है। वहीं करीब 20-30 मिनट तक तेज बारिश हुई। इस दौरान आसमान में लगातार बिजली चमकती रही। बारिश से मौसम में ठंडक आ गई है और तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। जानकारी अनुसार पहली घटना बरगवां थाना क्षेत्र के पिपरा गांव में देर रात 1।30 बजे हुई, जिसमें 67 वर्षीय सनाओ बाई की मौत हो गई, जबकि जियावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत सुपेला गांव में जमालुद्दीन की 17 वर्षीय बेटी अंतिमनिशा की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई।

लोन की रिकवरी के लिए बैंककर्मियों की धमकी सुनते ही व्यक्ति की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश के अशोक नगर जिले के चंदेरी थाना अंतर्गत ग्राम प्राणपुर में एक व्यक्ति की बैंक कर्मियों द्वारा लोन रिकवरी की धमकी सुनते ही मौत हो गई। इसके बाद परिवार के लोगों का रो-रो का बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्राणपुर के राघवेंद्र पुत्र गौरी शंकर सोनी के बेटे राजेश सोनी ने पिछले कुछ वर्ष पहले लगभग 7 लाख 30 हजार रुपये का ए यू स्माल बैंक शाखा अशोकनगर से लोन लिया हुआ था, जिसकी क़िस्तें परिवारजन भर रहे थे। इस दौरान एक या दो किस्त ड्यू चल रही थी, उसी मामले को लेकर शाम को बैंक के कर्मचारी लोन लेने वाले बुजुर्ग के घर पहुंचे थे। मृतक के घर वालों का कहना है कि बैंक की तरफ से आए कर्मचारियों ने पैसा जमा करने की बात कही इसके साथ ही उन्होंने धौंस के साथ बोला कि पैसा जमा करो नहीं तो घर में ताला डाल देंगे।

लग्जरी लाइफस्टाइल से झांसे में न आएं... देर से जागी एमपी पुलिस

स्कूल-कॉलेज की लड़कियों के एडवाइजरी

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में आजकल प्यार के जाल में फंसाकर शोषण करने के मामले बढ़ रहे हैं। इसलिए भोपाल स्थित स्टेट साइबर पुलिस मुख्यालय ने एक जरूरी सूचना जारी की है। इसका मकसद है कि स्कूल-कॉलेज की लड़कियों और महिलाओं को ऑनलाइन ठगों से बचाया जा सके। ये सूचना इसलिए जारी की गई है क्योंकि कुछ घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें लड़कियों को झूठे प्यार में फंसाया गया। फिर उन्हें नशीली दवाएं दी गईं, उनका यौन शोषण किया गया और ब्लैकमेल किया गया। साइबर पुलिस की सूचना में बताया गया है कि अपराधी सोशल मीडिया पर स्कूल, कॉलेज या कोचिंग सेंटर जाने वाली लड़कियों को अपना निशाना बनाते हैं। ये लोग खुद को अमीर और स्टाइलिश दिखाते हैं। वे महंगी गाड़ियां, गैजेट्स और शानदार लाइफस्टाइल दिखाते हैं ताकि लड़कियां भरोसा कर लें। कई मामलों में महिलाएं भी इन अपराधियों के साथ मिली होती हैं। वे लड़कियों से दोस्ती करती हैं और उन्हें सपोर्ट देती हैं ताकि वे जाल में फंस जाएं।

मामला

छुपे हुए कैमरों से बनाते हैं वीडियो

एक बार जब लड़कियां भरोसा कर लेती हैं, तो उन्हें पब, होटल या ढाबों पर बुलाया जाता है। वहां उन्हें नशीली चीजें दी जाती हैं। नशे की हालत में उनका यौन शोषण किया जाता है। अक्सर बिना उनकी जानकारी के। पुलिस ने चेतावनी दी है कि अपराधी छुपे हुए कैमरों से वीडियो बनाते हैं। फिर वे इन वीडियो का इस्तेमाल करके लड़कियों को ब्लैकमेल करते हैं। कुछ मामलों में, लड़कियों को दूसरी लड़कियों को भी इस जाल में फंसाने के लिए मजबूर किया जाता है। इस तरह यह शोषण का चक्र चलता रहता है। कुछ मामले ऐसे भी सामने आए हैं जिनमें लड़कियों की जबरदस्ती शादी करवा दी गई, उनका धर्म बदलवा दिया गया और उन्हें मानव तस्करी में धकेल दिया गया।

मियां-बीवी पूरे मोहल्ले को लगवा रहे थे नशे की लत...

ग्वालियर। पति और पत्नी के काफी किस्से आपने सुने होंगे। कभी अनबन के तो कभी झगड़े के, कई खबरें आए दिन आती रहती हैं। लेकिन मध्य प्रदेश के ग्वालियर के एक कपल ने कुछ ऐसा किया, जिसे जानकर पुलिस भी हैरान रह गई। मासूम से दिखने वाले ये पति और पत्नी दरअसल नशे के सौदार थे। पुलिस ने जब दोनों को दबोचा तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। ये दोनों कम उम्र को युवाओं को नशे सप्लाई किया करते थे। इनपुट मिलने के बाद पुलिस की टीम पहुंचे और फिर दोनों को हिरासत में ले लिया। ग्वालियर में एक 'मियां बीवी' इलाके में युवाओं को गांजा की लत लगा रहे थे। सूचना मिलने के बाद सिरोल पुलिस ने गांजा बेचने वाले पति पत्नी को दबोच लिया। इतना ही नहीं इस दंपति से 7 किलो से ज्यादा गांजा बरामद किया गया है। ग्वालियर की सिरोल पुलिस को सूचना मिली थी कि सिरोल, फूटी कॉलोनी, हुरावली इलाकों में युवाओं को तेजी से गांजे की लत लग रही है। इलाके में युवाओं को गांजा उपलब्ध कराने का काम एक मियां बीवी की जोड़ी कर रही है। सूचना के आधार पर पुलिस सिरोल कॉलोनी पहुंची तो वहां राजवीर जाटव के घर के बाहर लोगों का जमघट लगा हुआ था। पुलिस पहुंची तो वहां मौजूद लोग भाग निकले वहीं राजवीर जाटव और उसकी पत्नी सुमन घर के अंदर घुस गए। सिरोल पुलिस ने जब घर के अंदर जाकर तलाशी ली तो वहां से 7 किलो गांजा बरामद हुआ। राजवीर जाटव और उसकी पत्नी इस इलाके में युवाओं को गांजा बेचने का काम कर रहे थे। सिरोल पुलिस ने राजवीर और उसकी पत्नी सुमन को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया है। अब इनसे गांजा तस्करी और सप्लाई के नेटवर्क के बारे में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस की कार्रवाई में मिला सात किलो गांजा

फ्लाईओवर देखने पहुंचे विधायक, बोले-जल्दी पूरा करें

राजधानी के बैरागढ़ में 305 करोड़ में बन रहा, रेलवे ओवरब्रिज

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल के बैरागढ़ (संत हिरदाराम नगर) में 305 करोड़ रुपए से बन रहे एलिवेटेड फ्लाईओवर का हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने निरीक्षण किया। वे मंगलवार सुबह फ्लाईओवर के काम को देखने पहुंच गए। पीडब्ल्यूडी अफसरों से बोले कि काम जल्दी पूरा करें। ताकि, लाखों लोगों को फायदा मिल सके। विधायक शर्मा ने बिजली के पोल की शिफ्टिंग सहित फ्लाईओवर निर्माण संबंधी निर्देश दिए। बता दें कि यह फ्लाईओवर लाऊखेड़ी सीवेज पंप से झूलेलाल विसर्जन घाट तक 3 किलोमीटर लंबा रहेगा। 19 मीटर (60 फीट) चौड़े इस एलिवेटेड डबल डेकर फ्लाई ओवर का निर्माण किया जा रहा है। यह प्रदेश का पहला डबल डेकर फ्लाईओवर ब्रिज बन रहा है।

निरीक्षण

फाटक रोड पर आरओबी को भी देखा

निरीक्षण के दौरान विधायक शर्मा ने लालघाटी ग्रेड सेपरेटर, संत नगर इंदौर रोड पर बन रहे एलिवेटेड फ्लाईओवर, फाटक रोड पर ROB निर्माण, भौंरी स्थित प्रधानमंत्री आवास, गांव बैरागढ़ के प्रस्तावित सब स्टेशन सहित भोपाल बायपास पर बनने वाले 6 लेन फ्लाइओवर का भी स्थल निरीक्षण किया। पीडब्ल्यूडी, जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस के अफसर भी मौजूद थे।

बारिश से खुली व्यवस्था की पोल, गलियों में भरा पानी

घंटों घरों में कैद रहे लोग

संवाददाता ● अशोक नगर

जिले में मानसून की पहली मूसलाधार बारिश हुई है। पहली बारिश में ही प्रशासन के तैयारियों की पोल खुल गई। शहर की गलियों में नहर की तरह पानी बह रहा था। अंडर ब्रिज का रास्ता नाला जैसा बन गया था। दरअसल, मध्य प्रदेश में मानसून ने दस्तक दे दी है। जिसके चलते सोमवार को अशोक नगर जिले में मूसलाधार बारिश हुई। इस दौरान सड़कों पर जहां जगह-जगह बारिश का पानी जमा हो गया तो वहीं शहर में 1 घंटे की बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। तेज बारिश की वजह से शहर के मिलन तिराहे पर पानी जमा हो गया। वहां से गुजरने वालों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। स्थानीय दुकानदार भी पानी जमा होने से परेशान नजर आए। दुकानदारों ने बताया कि यहां से पानी की निकासी नहीं है। इसलिए यहां पानी जमा हो रहा है। यहां का सारा पानी अंडर ब्रिज के रास्ते से पर भी भर रहा है। ऐसा ही नजारा शहर के विदिशा रोड, इंदिरा पार्क मसाला मार्केट, ऑफिस और शहर के वेदांत भवन के पास भी रहा। जिससे लोग परेशान नजर आए। शहर के वेदांत भवन के पीछे स्थित गलियों में बारिश का पानी भर जाने से लोग अपने घरों में कैद हो गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि गली में ढाई फीट तक पानी भरा रहा। आने जाने में लोग काफी परेशान होते रहे। घंटों तक लोग अपने घरों के अंदर रहे। गलियों में भरा बारिश का पानी का दृश्य किसी नहर जैसा नजर आ रहा था।

परेशानी

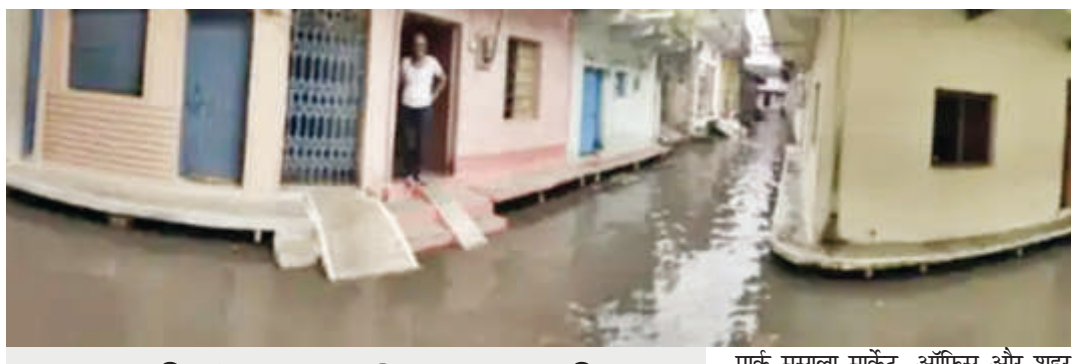

गली में भरा बारिश का पानी

शहर के वेदांत भवन के पीछे स्थित गलियों में बारिश का पानी भर जाने से लोग अपने घरों में कैद हो गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि गली में ढाई फीट तक पानी भरा रहा। आने जाने में लोग काफी परेशान होते रहे। घंटों तक लोग अपने घरों के अंदर रहे। गलियों में भरा बारिश का पानी का दृश्य किसी नहर जैसा नजर आ रहा था।

आतंकियों के परिजन को करता था फंडिंग

हिज्ब-उत-तहरीर से जुड़े मोहसिन को एनआईए ने पकड़ा

संवाददाता ● भोपाल

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भोपाल के अशोका गार्डन क्षेत्र में रहने वाले मोहसिन को गिरफ्तार किया है। जांच में खुलासा हुआ है कि मोहसिन भोपाल में रहने वाले आतंकी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) के आतंकियों के संपर्क में था। इतना ही नहीं वह मई 2023 में भोपाल में पकड़े गए 10 आरोपी सहित प्रदेश भर में पकड़े गए एचयूटी के 16 संदिग्ध आतंकियों के संपर्क में था। इन आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद मोहसिन भोपाल और भारत छोड़कर थाईलैंड चला गया था। भारत सरकार एनआईए की जांच के आधार पर उसे थाईलैंड से डिपोर्ट कर भारत लाई और उससे पूछताछ की। गत दिनों उसे रिमांड पर लिया है। मोहसिन 16 जून तक एनआईए की रिमांड पर है।

मोहसिन की निशानदेही पर ऐशबाग, बाग फरहत अफजा निवासी अकरम के निवास पर भी छापेमारी की गई है। अकरम की मोहसिन से दोस्ती है। दोनों का कनेक्शन भी सामने आया है। उसकी निशानदेही पर ही गत दिनों भोपाल में एमपी एटीएस के साथ मिलकर एनआईए ने तीन स्थानों पर छापा मारा था। छापे में उसके ठिकाने से डिजिटल डिवाइस जब्त हुई है, जिसे जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा गया है। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि मोहनिस मध्यप्रदेश सहित देशभर में भ्रमण कर एचयूटी आतंकी संगठन को आगे बढ़ाने के लिए फंड एकत्रित करता था। एनआईए सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मोहसिन एचयूटी के गिरफ्तार आतंकियों के परिजनों से लगातार संपर्क बनाए हुए था। वह गिरफ्तार आतंकियों के परिजनों को घर का खर्च चलाने क लिए राशि एकत्रित करता और उन्हें पहुंचाने का कार्य भी कर रहा था। मोहसिन ही वर्तमान में संगठन को आगे बढ़ाने के लिए लगा हुआ था। मई 2023 में जब एचयूटी के कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था, तब मोहसिन का नाम जांच में आया था। शुरुआती पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया था। हालांकि, उसके बाद एनआईए ने उस पर निगरानी बढ़ा दी और अब पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तारी की गई है।

जांच

ऐशबाग का अकरम खान भी सर्विलांस पर

एनआईए को मोहसिन की जांच के दौरान अकरम खान नाम का एक अन्य संदिग्ध मिला है। एनआईए और एमपी एटीएस अकरम के घर छापेमारी कर चुकी है, लेकिन उसे गिरफ्तार नहीं किया है। अकरम अब जांच एजेंसियों के सर्विलांस पर है। अकरम ऐशबाग के बाग फरहत अफजा स्थित बी सेक्टर, इंद्रा कॉलोनी में रहता है। वह पहले टाइल्स और मार्बल की दुकान चलाता था, लेकिन कुछ महीनों से बेरोजगार है।

तलाक के 4 साल बाद फिर रोमांस करते दिखेंगे नागा चैतन्य-सामंथा!

कोरोना काल के बाद से पुरानी फिल्मों को फिर से रिलीज करने का दौर चल रहा है। दोबारा रिलीज के बाद कई ऐसी फिल्में थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा खासा कलेक्शन किया। अब इसी कड़ी में साल 2010 की सुपरहिट फिल्म फिर से रिलीज को तैयार है। इस फिल्म का नाम 'ये माया चेसावे' है। इस फिल्म में नागा चैतन्य और सामंथा रुथ प्रभु लीड रोल में थे। इसी फिल्म के सेट पर दोनों एक्टर्स की न सिर्फ दोस्ती हुई बल्कि प्यार ऐसा हुआ कि बाद में दोनों ने शादी भी कर ली। बता दें कि सामंथा और नागा चैतन्य की पहली मुलाकात 'ये माया चेसावे' की शूटिंग के दौरान ही हुई थी। ऑन-स्क्रीन उनकी केमिस्ट्री लोगों ने खूब पसंद की थी और इसके बाद दोनों का रोमांस ऑफ-स्क्रीन भी परवान चढ़ा। दोनों साउथ सिनेमा के सबसे पसंदीदा कपल में से एक बन गए और 2017 में दोनों ने शादी कर ली, जिससे उनके फैंस काफी खुश हुए। हालांकि 2021 में, उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपने तलाक की घोषणा भी कर दी। दोनों कपल का ये एक ऐसा फैसला था, जिसने लाखों फैंस का दिल तोड़ दिया। तलाक के बाद से ही उन्हें कभी भी एक साथ नहीं देखा गया। वहीं नागा चैतन्य अब एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला से शादी कर चुके हैं, जबकि सामंथा अभी तक सिंगल हैं। हालांकि उनका नाम फिल्ममेकर राज के साथ जोड़ा जाता रहा है। वह अक्सर उनके साथ दिखाई भी देती हैं। कम लोगों को ये बात पता है कि सामंथा ने फिल्म 'ये माया चेसावे' (YMC) के नाम का टैटू अपनी गर्दन पर बनवा कर रखा हुआ था। हालांकि नई जानकारी ये सामने आ रही है कि एक्ट्रेस ने चैतन्य से तलाक के बाद ये टैटू हटवा लिया है। अब फिल्म 18 जुलाई 2025 को यानी पूरे 15 साल बाद फिर रिलीज हो रही है। लोगों ने कयास लगाना शुरू कर दिया है कि क्या सामंथा और नागा की सालों बाद फिर मुलाकात होगी? बता दें कि 'ये माया चेसावे' को डायरेक्टर गौतम मेनन ने डायरेक्ट किया था। ये फिल्म कल्ट तेलुगु फिल्म मानी जाती है। ये फिल्म हिंदी में 'एक दीवाना था' नाम से रीमेक बनी थी। जिसमें प्रतीक बब्बर और डायना को देखा गया था। हालांकि ये फिल्म हिंदी में फ्लॉप हुई थी।

मनारा चोपड़ा खानदान में पसरा मातम

72 की उम्र में मनारा के पिता का निधन, लंबे समय से थे बीमार

प्रियंका चोपड़ा की कजिन मनारा चोपड़ा के पिता रमन राय हांडा का निधन हो गया है। उन्होंने 72 की उम्र में आखिरी सांस ली। वो अपने पीछे पत्नी कामिनी और बेटियां मन्नारा और मिताली को छोड़ गए हैं। वो पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। रमन का निधन मुंबई में हुआ। उनका अंतिम संस्कार 18 जून को यानी दो दिन बाद किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक कई रिश्तेदार विदेश से आएंगे, इसलिए ये तारीख रखी गई है। ताकि हर कोई उनके अंतिम दर्शन कर सके। मालूम हो कि वो पिछले कुछ समय से अपने परिवार के साथ मुंबई में ही रह रहे थे। रमन दिल्ली हाई कोर्ट में वकील थे। अचानक आई इस दुख की खबर ने हर किसी को चौंका दिया है। हर कोई इस संवेदनशील माहौल में परिवार को श्रद्धांजलि और संवेदना प्रकट कर रहा है। खुद मनारा ने भी पिता के मौत की जानकारी देते हुए एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की। एक्ट्रेस ने फोटो के साथ ओम नमः शिवाय से शुरुआत की और लिखा- गहरे दुख और शोक के साथ हम आपको ये सूचित करते हैं कि हमारे प्रिय पिता का 16/06/2025 को निधन हो गया। वो हमारे परिवार की ताकत और सहारे का स्तंभ थे। मनारा ने साथ ही बताया कि उनके पिता का अंतिम संस्कार दोपहर 1 बजे अंबोली, अंधेरी वेस्ट के श्मशान घाट में किया जाएगा। बता दें, हांडा और चोपड़ा परिवार में गहरा नाता है। मनारा का असली नाम बार्बी हांडा है। फिल्मों में आने के बाद एक्ट्रेस ने इसे बदल लिया था। मनारा, प्रियंका चोपड़ा और परिणीति चोपड़ा बहने हैं, लेकिन बावजूद इसके मुश्किल ही मनारा कभी इसका जिक्र करती हैं। सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने इसका जिक्र भी किया था। मनारा ने कहा था कि 'अगर मैं अपने परिवार का नाम लेती, तो लोग मुझे नेपो किड कह देते। वे कहते कि मेरी खुद की कोई पहचान नहीं है। अब जब मैंने उनका नाम नहीं लिया, तो उन्होंने एक और कहानी बना दी कि मेरी अपनी बहनों से रिश्ते अच्छे नहीं हैं। जबकि मेरे रिश्ते पूरी तरह साफ और स्पष्ट हैं।'' वहीं प्रियंका चोपड़ा भी मनारा के बारे में बात कर चुकी हैं।

फिर 'गोलमाल' करेंगे रोहित शेट्टी!

जल्द शुरू होगी अजय देवगन संग 5वें पार्ट की शूटिंग

रोहित शेट्टी की 'गोलमाल' फ्रेंचाइज सभी को पसंद है। अभी तक इसके चार पार्ट्स रिलीज हो चुके हैं जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रहे हैं। अब फिल्ममेकर इसका पांचवा पार्ट भी लेकर आने वाले हैं जिसकी शूटिंग जल्द शुरू होगी। मगर उससे पहले रोहित अपनी एक और फिल्म की शूटिंग खत्म करेंगे जिसमें वो फिलहाल बिजी है। रोहित शेट्टी पुलिस ऑफिसर राकेश मारिया की बायोपिक बना रहे हैं जिसमें एक्टर जॉन अब्राहम शामिल हैं। पिंकविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित 'गोलमाल 5' का शूट अगले साल यानी 2026 में शुरू करेंगे। अभी फिलहाल उनकी टीम फिल्म की स्क्रिप्टिंग पर काम कर रही है, जिसे वो जल्द ही खत्म कर लेंगे। सूत्रों का कहना है, 'रोहित शेट्टी अभी मुंबई में जॉन अब्राहम के साथ राकेश मारिया की बायोपिक शूट कर रहे हैं। उनकी फिल्म का शूट सितंबर 2025 तक खत्म हो जाएगा। डायरेक्टर अपनी बायोपिक फिल्म को साल 2026 की शुरुआत में रिलीज करने का प्लान कर रहे हैं।' सुत्रों के मुताबिक रोहित शेट्टी और उनकी टीम ने 'गोलमाल 5' की कहानी सोच ली है। उनका कहना है, 'राकेश मारिया की बायोपिक के बाद रोहित गोलमाल 5 की तैयारी में जुट जाएंगे। इसकी शूटिंग फरवरी या मार्च 2026 में शुरू हो जाएगी। इसकी कहानी फाइनल हो चुकी है और अभी उनके राइटर्स इसकी स्क्रीनप्ले और स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं।

चेहरे पर बेचैनी-उदासी लिए एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं मनारा चोपड़ा

पिता की मौत का लगा गहरा सदमा

प्रियंका चोपड़ा की कजिन और जानी-मानी एक्ट्रेस मनारा चोपड़ा के सिर से पिता का साया उठ गया। फादर्स डे के ठीक एक दिन बाद ही मनारा के पिता का निधन हो गया। हाल ही में, एक्ट्रेस पिता की मौत के बाद एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं। इस दौरान वह काफी परेशान दिखीं। मनारा चोपड़ा ने बीते दिन एक पोस्ट के जरिए बताया कि उनके पिता रमन राय हांडा का निधन हो गया है। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा, 'बहुत दुख और पीड़ा के साथ हम अपने प्यारे पिता के दुखद निधन की सूचना देते हैं, जो 16/06/2025 को हमें छोड़कर चले गए। वह हमारे परिवार के लिए शक्ति और मजबूत स्तंभ थे।' पिता की मौत की खबर देने के बाद मनारा चोपड़ा मुंबई लौट आईं। वह बीती रात को मुंबई एयरपोर्ट पर अपनी बहन मिताली हांडा के साथ स्पॉट हुईं। इस दौरान वह बहुत उदास, हताश और परेशान दिख रही थीं। उनके चेहरे पर अपने पिता को खोने का दर्द साफ दिख रहा था। मनारा चोपड़ा का असली नाम बार्बी हांडा है। फिल्मों में आने के बाद उन्होंने अपना नाम मनारा चोपड़ा रख लिया था, जिसका सुझाव उनकी कजिन प्रियंका चोपड़ा ने ही दिया था। प्रियंका रिश्ते में उनकी कजिन लगती हैं। मनारा के पिता प्रियंका के फूफा लगते थे। मनारा चोपड़ा ने साल 2014 में जिद मूवी से फिल्मों में कदम रखा था और फिर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम किया। उन्हें सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस 18 से मिली। आखिरी बार उन्हें लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 में देखा गया था।

ऐश्वर्या नहीं, माधुरी थीं 'हम दिल दे चुके सनम' के लिए पसंद...

विदेश में हुई थी शूटिंग

18 जून 1999 को प्रदर्शित हुई 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान खान और ऐश्वर्या राय की प्रेम कहानी तो बहुचर्चित रही, मगर प्रेम के एक बिल्कुल अलग पथ पर चल रहे एक किरदार की चर्चा कहीं छूट सी जाती है। फिल्म में अजय देवगन ने ऐश्वर्या राय के पति वनराज की भूमिका और उसके तरीके के प्यार को जिस अंदाज में प्रदर्शित किया, उस बारे में अनंत विजय ने बात की। 'हम दिल दे चुके सनम'... नाम से ही पता चलता है कि ये एक प्रेम कहानी है। टाइटल में 'चुके' शब्द इस बात की ओर भी इशारा करता है कि ये लव ट्रायंगल होगा। फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' 25 साल पहले प्रदर्शित हुई थी। इसमें सलमान खान और ऐश्वर्या राय के साथ तीसरे कोण के रूप में अजय देवगन थे। उस समय की फिल्मी पत्रिकाओं में इस बात की चर्चा मिलती है कि निर्देशक संजय लीला भंसाली अपनी फिल्म में अभिनेत्री के रूप में माधुरी दीक्षित को लेना चाह रहे थे। माधुरी के पास डेट्स की समस्या थी। माधुरी के इनकार के बाद दूसरी नायिका की तलाश शुरू हुई। इसी दौर में संजय लीला भंसाली ने ऐश्वर्या को कहीं देखा और तय कर लिया कि यही उनकी फिल्म की नायिका है। ऐश्वर्या राय तब तक मिस वर्ल्ड का खिताब जीतकर तमिल फिल्मों में सफल हो चुकी थीं। हिंदी फिल्मों में सफलता मिलनी बाकी थी। ऐश्वर्या की मुस्कुराहट को फिल्म समीक्षक प्लास्टिक मुस्कान करार दे चुके थे। इस स्थिति में संजय लीला भंसाली ने ऐश्वर्या राय को अपनी फिल्म में कास्ट करने का जोखिम उठाया। उसके बाद की कहानी तो इतिहास बन गई। फिल्म जबरदस्त हिट रही थी। हालांकि, इसके बाद सलमान और ऐश्वर्या राय ने कभी भी एक साथ किसी फिल्म में लीड रोल नहीं किया। 'हम दिल दे चुके सनम' फिल्म का प्लॉट मैत्रेयी देवी के उपन्यास 'ना हन्यते' और रोमानिया के लेखक मिरसिया के उपन्यास से प्रेरित लगता है। फिल्म का प्रदर्शन होने के बाद इसकी चर्चा भी हुई थी। मिरसिया के उपन्यास का नायक भी भारत पढ़ने आया था, नायिका के घर रुका था, साथ पढ़ाई की थी, प्रेम हुआ था और फिर अलगाव। उपन्यास में बंगाल का परिवेश है जबकि फिल्म में गुजरात का। प्लॉट का फिल्मांकन संजय लीला भंसाली ने बेहद खूबसूरती के साथ किया है। विदेशी लोकेशन पर आकर्षक दृश्यों में फिल्म की कहानी के साथ न्याय किया है। फिल्म प्रदर्शित होने के पहले ही इसके गाने दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हो चुके थे।

संजय दत्त की बेटी को देख उड़े लोगों को होश

अब नन्ही सी बच्ची नहीं रही इकरा दत्त

सुपस्टार संजय दत्त की जवानी का एक दौर था जब उनकी बाहों में हर दिन लड़कियां बदलती रहती थी लेकिन अब अपनी लाइफ का ज्यादातर समय बीवी बच्चों के साथ गुजारना पसंद करते हैं। वहीं अब संजय दत्त हाल ही में एक इवेंट का हिस्सा बने जहां हर तरफ सिर्फ और सिर्फ उनकी बेटी के ही चर्चे हो रहे हैं। संजय दत्त और कुछ बॉलीवुड सेलेब्स हाल ही में ग्रैंड वेडिंग का हिस्सा थे। इस शादी में संजय दत्त की बेटी इकरा दत्त गुलाबी ड्रेस में अपने पापा के साथ दिखाई दी। पहले तो जहां तस्वीरों में उनकी पहचान आसानही से नहीं हो पा रही है तो वहीं ये जानकर की ये संजय दत्त की छोटी बेटी है हर कोई चौंक रहा है फैंस को यकीन नहीं हो रहा कि वह अब इतनी बड़ी हो गई हैं। जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि इकरा, संजय दत्त और मान्यता दत्त की बेटी हैं। वहीं उनका एक जुड़वा भाई शाहरान भी है। जबकि संजय दत्त की बड़ी बेटी त्रिशा दत्त हैं, जो एक्टर की पहली वाइफ के साथ है। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरें अरबपति सुनील वासवानी की बेटी सरीना वासवानी की शादी की है, जिसमें सिंगर सोनू निगम भी शामिल हुए थे। वहीं संजय दत्त बेटी इकरा के साथ हिस्सा बने थे। सामने आई तस्वीरों को सोनू निगम ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया, जिसमें वह और संजय दत्त ब्लैक और गोल्डन रंग की मैचिंग शेरवानी में देखे जा सकते हैं। जबकि इकरा पिंक कलर के खूबसूरत लहंगे चोली में दिख रही हैं। उन्होंने गले में चोकर, हल्का मेकअप और खुले बाल रखे हुए हैं। इन तस्वीरों में उन्हें पहचानना फैंस के लिए काफी मुश्किल है। इकरा की फोटोज इंटरनेट पर वायरल हो गई हैं। एक यूजर ने लिखा, 'क्या ये इकरा नहीं है? वो बड़ी हो गई है।' एक ने लिखा, 'गुलाबी ड्रेस में इकरा बहुत खूबसूरत दिख रही है।' संजय दत्त ने मुस्लिम परिवार में जन्मीं मान्यता दत्त से शादी की थी। उनका नाम दिलनवाज शेख था। वो दुबई में पली-बढ़ी हैं। उन्होंने साल 2008 में कमाल राशिद खान उर्फ KRK की 'देशद्रोही' फिल्म से एक्टिंग की शुरुआत की थी। उन्हें तब सारा खान नाम दिया गया था। बाद में प्रकाश झा ने उन्हें मान्यता नाम दिया। उनकी और संजय की शादी भी इसी साल हुई। उन्होंने अपना धर्म बदल लिया। शादी के दो साल बाद 2010 में जुड़वां बच्चों इकरा और शाहरान को जन्म दिया।

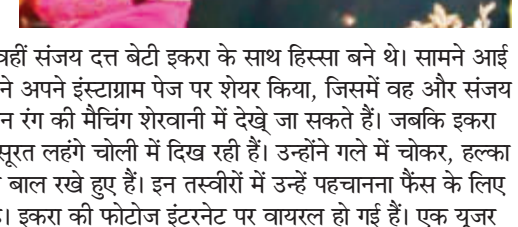

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के 4 दिन बाद रवीना ने एअर इंडिया फ्लाइट में किया सफर

अहमदाबाद से उड़ी एअर इंडिया फ्लाइट 171 उड़ान भरने के चंद सेकंड में ही क्रैश हो गई जिसमें सवार 240 लोगों की जान चली गई। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। सेलिब्रिटीज ने भी इस घटना पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की थीं। अहमदाबाद विमान हादसे के चार दिन बाद रवीना टंडन ने पहली बार एअर इंडिया में सफर किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए एक नई शुरुआत की ओर इशारा किया है। रवीना ने तस्वीरों में फ्लाइट के अंदर से पोज दिया है। इस दौरान वह कैजुअल आउटफिट में नजर आ रही हैं। पोस्ट शेयर करते

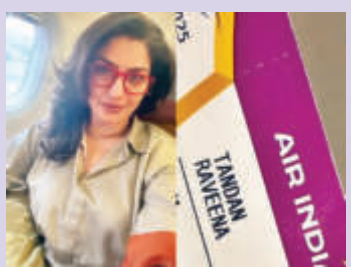

हुए रवीना टंडन ने कैप्शन में लिखा, 'नई शुरुआत। सभी बाधाओं के बावजूद फिर से उठना और उड़ान भरना। सब कुछ फिर से शुरू करना, ज्यादा शक्ति की ओर नया संकल्प। माहौल गंभीर था और क्रू मेंबर्स की मुस्कान दुख से रंगी हुई थी। मौन यात्री और चालक दल के सदस्य मौन संवेदना और कम आत्मविश्वास के साथ जुड़े हुए थे। उन परिवारों के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। एक ऐसा घाव जो कभी नहीं भरेगा। भगवान हमेशा आपकी मदद करें एअर इंडिया। निडर और दृढ़ इच्छाशक्ति से उबरकर फिर से मजबूत बनने की।

बुमराह मैक्ग्रा की तरह हैं... स्टुअर्ट ब्रॉड ने भारतीय स्टार के लिए दिल खोलकर रख दिया

एजेंसी ● नई दिल्ली

इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का मानना है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बल्लेबाजों को चकमा देने की क्षमता और गेंदबाजी में उनका बेहतरीन संतुलन उन्हें ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ग्लेन मैकग्रा के समक्ष खड़ा करती है। साथ ही उनका मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाहें टिकी रहेगी। ब्रॉड ने विश्व क्रिकेट में सबसे संतुलित गेंदबाजी रन अप के मामले में बुमराह की तुलना ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज मैकग्रा से की।

स्टुअर्ट ब्रॉड ने जसप्रीत बुमराह को लेकर क्या कहा?

ब्रॉड ने पॉडकास्ट ह्यफॉर द लव ऑफ क्रिकेट में कहा, वह (बुमराह) जब गेंद करने के लिए दौड़ते हैं तो आप सोचते हैं कि यह 70 मील प्रति घंटे की रफ्तार होगी लेकिन वह आपको 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद करते हैं जिससे आप सही अनुमान नहीं लगा पाते हैं।ह्र उन्होंने जोस बटलर के साथ इस पॉडकास्ट में कहा, ह्यजब मैंने शोएब अख्तर का सामना किया, तो वह सौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ते थे और सौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से ही गेंदबाजी करते थे।ह्रटेस्ट क्रिकेट में 604 विकेट लेने के बाद 2023 में संन्यास की घोषणा करने वाले ब्रॉड ने कहा, ह्यबुमराह का रन अप बेहद संतुलित है और वह कभी इस बिगड़ने नहीं देते। मैंने जिन गेंदबाजों को देखा है उनमें ग्लेन मैकग्रा का रन अप बेहद संतुलित था। बुमराह भी उन्हीं की तरह हैं।ह्रबुमराह के श्रृंखला के सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने की उम्मीद नहीं है, जिसकी पुष्टि भारतीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कार्यभार प्रबंधन के तहत की है। ब्रॉड ने कहा कि अगर बुमराह शुक्रवार से लीड्स में शुरू होने वाली सीरीज के सभी पांच मैचों में खेलते हैं तो वह ढेर सारे विकेट लेंगे। उन्होंने कहा, ह्यनिश्चित रूप से उन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। इंग्लैंड कभी नहीं चाहेगा कि वह सभी पांच टेस्ट मैच में खेले। अगर ऐसा होता है तो वह ढेर सारे विकेट लेगा। ऑस्ट्रेलिया में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था।

बुमराह से बड़ा कोई स्टार नहीं है...

बटलर ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर आई भारतीय टीम में बुमराह से बड़ा कोई सुपरस्टार नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत की इस टीम में जसप्रीत बुमराह से बड़ा कोई स्टार है। उनका रन-अप अनोखा है, उनका एक्शन अनोखा है। वह किसी अन्य गेंदबाज की तुलना में बल्लेबाज के करीब एक फुट या उससे भी थोड़ा ज्यादा नजदीक से गेंद फेंकते हैं, इसलिए गेंद उनकी वास्तविक गति से भी ज्यादा तेज लगती है।

वनडे से रिटायरमेंट लेंगी सोफी डिवाइन, वर्ल्ड कप के बाद कभी न्यूजीलैंड के लिए नहीं खेलेंगी 50 ओवर फॉर्मेट

एजेंसी ● न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने वनडे फॉर्मेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया है। सोफी इस साल महिला क्रिकेट विश्व कप के समापन के बाद वनडे फॉर्मेट को अलविदा कहेंगी। यह विश्व कप भारत और श्रीलंका में खेला जाना है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने सोफी डिवाइन की ओर से एक बयान साझा किया है, जिसमें उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे लिए कदम पीछे खींचने का सही समय आ गया है। मैं बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं कि मुझे इसमें एनजेडसी का समर्थन मिला है। यह जरूरी है कि हर कोई जानता हो कि मैं इस टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए समर्पित हूं। मैं इस युवा ग्रुप की प्रगति से बहुत उत्साहित हूं। इसके साथ ही मैं अगले छह से नौ महीनों में अपनी भूमिका निभाने के लिए भी उत्सुक हूं।'एनजेडसी की महिला हाई परफॉरमेंस हेड लिज ग्रीन के अनुसार सोफी डिवाइन को न्यूजीलैंड क्रिकेट का पूरा सपोर्ट है। उन्होंने कहा, 'सोफी ने व्हाइट फर्न्स को लगभग 20 साल सेवा दी है। न्यूजीलैंड क्रिकेट उनके करियर के इस पड़ाव पर अधिक संतुलन तलाशने की उनकी खोज को पूरी तरह से सपोर्ट करता है।' हालांकि, सोफी डिवाइन ने यह स्पष्ट किया है कि वह टी20 फॉर्मेट खेलती रहेंगी। सोफी का यह फैसला सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट के ऐलान से चंद घंटों पहले आया है।सोफी डिवाइन ने साल 2006 में डेब्यू किया था। उस वक्त वह महज 17 साल की थी। वह 30 सितंबर से शुरू होने वाले 2025 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में न्यूजीलैंड की अगुवाई करेंगी। सोफी ने अपने वनडे करियर में 152 मैच खेले, जिसकी 139 पारियों में 31.66 की औसत के साथ 3,990 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से आठ शतक और 16 अर्धशतक आए। सोफी डिवाइन ने वनडे करियर में 107 विकेट भी अपने नाम किए हैं। सोफी डिवाइन के टी20 करियर को देखें, तो इस बैटिंग ऑलराउंडर ने 146 मुकाबलों में 28.12 की औसत के साथ 3431 रन जुटाए। इसमें एक शतक और 21 अर्धशतक भी हैं। इसके अलावा टी20 क्रिकेट में सोफी ने देश के लिए 119 विकेट भी हासिल किए।

सोफी डिवाइन के वनडे में कुछ खास रिकॉर्ड

सोफी साल 2020 में न्यूजीलैंड की महिला टीम की स्थायी कप्तान बनीं, उन्होंने तब से टीम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। 2024 में उनकी कप्तानी में देश ने टी20 विश्व कप खिताब पर अपना कब्जा जमाया। सोफी डिवाइन, सुजी बेट्स के बाद न्यूजीलैंड की दूसरी सबसे ज्यादा कैप्ड महिला वनडे खिलाड़ी हैं। वह 3,990 रनों के साथ न्यूजीलैंड की ऑल-टाइम महिला वनडे रन-स्कोरर की लिस्ट में चौथे पायदान पर हैं। सोफी डिवाइन (107 विकेट) न्यूजीलैंड की ओर से सर्वाधिक वनडे विकेट लेने वाली महिला खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे पायदान पर हैं। उनसे आगे ली ताहुहू हैं, जिन्होंने 97 मुकाबलों में 115 शिकार किए हैं।

ऑस्ट्रेलिया में खेलता हुआ नजर आएगा टीम इंडिया का गेंदबाज

एजेंसी ● नई दिल्ली

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाली बिग बैश लीग (बीबीएल) ड्राफ्ट के लिए अपना पंजीकरण कराया है जबकि भारत के 15 अन्य खिलाड़ियों ने महिला टूर्नामेंट (डब्ल्यूबीबीएल) के लिए पंजीकरण कराया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पिछले साल नवंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले भारत के लिए तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलने वाले कौल गुरुवार को यहां होने वाले बीबीएल ड्राफ्ट के लिए खुद को पंजीकृत कराने वाले एकमात्र भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं।

एंडरसन ने भी कराया पंजीकरण

इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन दुनिया भर के उन 600 से अधिक खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने लीग के लिए खुद को पंजीकृत किया है। अगर एंडरसन को चुना जाता है तो वह 43 साल की उम्र में लीग में खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे। महिला टूर्नामेंट के लिए पंजीकरण कराने वाली 15 भारतीय खिलाड़ियों में कनिका आहूजा भी शामिल हैं जो महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलती हैं और जिन्होंने इस वर्ष की शुरूआत में भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।अन्य भारतीय महिला खिलाड़ियों में जेमिमा रोड्रिग्स, शिखा पांडे, राधा यादव और यास्तिका भाटिया शामिल हैं, जो पहले डब्ल्यूबीबीएल में खेल चुकी हैं। इस सूची में एस मेघना, अरुंधति रेड्डी, प्रतिका रावल, अंडर-19 टी20 विश्व कप विजेता कप्तान निकी प्रसाद, उमा छेत्री, काशवी गौतम, प्रिया मिश्रा आदि भी शामिल हैं।

सिद्धार्थ कौल ने लंब समय तक भारत के लिए और लीग क्रिकेट में क्रिकेट खेला है। कौल ने 3 टी20 और 3 वनडे मैच भारत के लिए खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 4 विकेट अपने नाम किए हैं। आईपीएल में उन्होंने 55 मैचों में 58 विकेट अपने नाम किए हैं। लेकिन ये खिलाड़ी अब रिटायर हो चुका है और ऑस्ट्रेलिया की बीबीएल में खेलने के लिए तैयार है।

अवैध सट्टेबाजी ऐप्स को प्रोमोट करने में फंसे युवराज सिंह, हरभजन सिंह... ईडी ने शुरू की जांच

एजेंसी ● नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स की जांच तेज कर दी है। इस जांच में कई बड़े नाम सामने आए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेटर हरभजन सिंह, सुरेश रैना और युवराज सिंह के साथ-साथ अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और सोनू सूद से भी पूछताछ की जा रही है। यह जांच जैसे प्रतिबंधित प्लेटफॉर्म के प्रचार से जुड़ी है। एऊका मानना है कि ये प्लेटफॉर्म भ्रामक विज्ञापन और गलत तरीकों से लोगों को फंसा रहे हैं।

ईडी कर रही है जांच

ईडी की जांच में पता चला है कि ये प्लेटफॉर्म 1७३ जैसे नामों का इस्तेमाल कर विज्ञापन करते हैं। ये वेब लिंक और दफकोड के जरिए यूजर्स को असली अवैध सट्टेबाजी साइटों पर भेजते हैं। एऊ के अनुसार, यह भारतीय कानूनों का सीधा उल्लंघन है। एऊका कहना है कि ये ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म खुद को स्किल-आधारित गेम बताते हैं। लेकिन, एजेंसी का मानना है कि ये रिग्ड एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए, ये जुआ के दायरे में आते हैं। एऊ का कहना है कि 1७ब्री३ जैसे प्लेटफॉर्म सेलिब्रिटीज के साथ मिलकर बड़ी संख्या में लोगों को धोखा दे रहे हैं।एऊकी शुरूआती जांच में कई कानूनों के उल्लंघन की बात सामने आई है। इनमें सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम और धन शोधन निवारण अधिनियम शामिल हैं। साथ ही, कई सरकारी नियमों का भी उल्लंघन हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, हरभजन सिंह और सुरेश रैना के प्रतिनिधियों ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। उर्वशी रौतेला और सोनू सूद के प्रतिनिधियों ने भी कोई जवाब नहीं दिया है। जांच में यह भी पता चला है कि इन विज्ञापन अभियानों को चलाने के लिए विभिन्न कंपनियों को 50 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है।एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अवैध सट्टेबाजी ऐप का कारोबार 100 अरब डॉलर से अधिक का है। अधिकारियों द्वारा कार्रवाई के बावजूद, यह कारोबार फलफूल रहा है। इन वेबसाइटों पर लगभग 11 करोड़ भारतीय आते हैं, जिनमें स्कूली छात्र भी शामिल हैं।

जांच अभी जारी है और एऊइस मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रही है। यह देखना होगा कि इस जांच में और क्या खुलासे होते हैं और किन-किन लोगों पर कार्रवाई होती है। सरकार इन अवैध सट्टेबाजी ऐप्स पर लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठा रही है। लेकिन, यह कारोबार अभी भी तेजी से बढ़ रहा है।

फिल हैन्सन पश्चिमी फ्रांस के ले मैन्स में 24 घंटे की ले मैन्स धीरज दौड़ जीतने के बाद पोडियम पर जश्न मनाते हुए।

सीएम साय से छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के पदाधिकारियों ने की मुलाकात, ओलंपिक दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए किया आमंत्रित

रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने सीएम साय को 23 जून को ओलंपिक दिवस के मौके पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया.इस अवसर पर छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया, प्रदेश वालीबॉल संघ अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ उपाध्यक्ष सुनील रामदास एवं संयुक्त सचिव प्रशांत रघुवंशी उपस्थित थे. इस दौरान छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी गई. बता दें कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के प्रदेश अध्यक्ष है.

शुभमन गिल मजबूरी के टेस्ट कप्तान? बुमराह ने पहली बार बताई देश के लिए कुबार्नी की कहानी

एजेंसी ● नई दिल्ली

अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आखिरकार भारतीय टेस्ट कप्तानी को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने बताया कि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की पहली पसंद वही थे, लेकिन उन्होंने वर्कलोड के कारण यह प्रस्ताव ठुकरा दिया था। रोहित शर्मा और विराटकोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद शुभमन गिल को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत का टेस्ट कप्तान बनाया गया।

बुमराह, जो टेस्ट टीम के उप-कप्तान थे और रोहित की गैरमौजूदगी में तीन टेस्ट (इंग्लैंड में एक और ऑस्ट्रेलिया में दो) में टीम की कप्तानी भी कर चुके थे, उन्हें आदर्श रूप से कप्तान का उत्तराधिकारी होना चाहिए था। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में सिडनी टेस्ट के दौरान उन्हें लगी पीठ की चोट ने सब कुछ बदल दिया।

स्काई स्पोर्ट्स पर इंट्रव्यू देते हुए दिनेश कार्तिक से बातचीत करते हुए जसप्रीत बुमराह ने कहा, 'रोहित और विराट के आईपीएल के दौरान संन्यास लेने से पहले ही मैंने बीसीसीआई से अपनी वर्कलोड के बारे में बात की थी, खासकर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए। मैंने उन लोगों से बात की जिन्होंने मेरी पीठ का ध्यान रखा। मैंने सर्जन से भी बात की, जिन्होंने हमेशा मुझे बताया है कि वर्कलोड के मामले में आपको कितना समझदार होना चाहिए। तो मैंने उनसे बात कीऔर फिर हम इस नतीजे पर पहुंचे कि मुझे थोड़ा और समझदार बनना होगा। इसलिए मैंने बीसीसीआई को कॉल किया और कहा कि मैं कप्तानी की भूमिका में नहीं आना चाहता, क्योंकि मैं पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के सभी मैच नहीं खेल पाऊंगा।'

भारत के इस तेज गेंदबाज ने यह भी कहा कि वह नहीं चाहते थे कि भारतीय टीम के एक टेस्ट सीरीज में दो कप्तान हों। उन्होंने कहा, 'हां, बीसीसीआई मुझे कप्तानी के लिए देख रही थी। लेकिन फिर मुझे मना करना पड़ा क्योंकि यह टीम के लिए भी सही नहीं था कि एक पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में तीन मैच कोई और लीड कर रहा है और दो मैच कोई और लीड कर रहा है। यह टीम के लिए सही नहीं था और मैं हमेशा टीम को सबसे पहले रखना चाहता था।'

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, बुधवार, 18 जून, 2025
www.adityabharat.com

आराऊ, स्विटजरलैंड के आराऊ में शुरू हुई 88 वें टूर डी सुइस के दूसरे चरण में सैकड़ों प्रतिभागी शामिल हुए। इस रेस को देखने लाखों दर्शक पहुंचते हैं।

शॉट न्यूज

बोइंग विमान हादसे की जांच करने टीम पहुंची

अहमदाबाद। अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के प्लेन क्रैश ने भारत के साथ ही पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। इस हादसे ने विमानों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। एयर इंडिया के क्रैश हुए विमान 171 को बनाने वाली कंपनी बोइंग को भी झटका लगा है। दुनिया की सबसे बड़ी एयरक्राफ्ट कंपनी के एक्सपर्ट्स अहमदाबाद पहुंच गए हैं। बोइंग का कहना है कि हम पता लगाएंगे कि आखिर किस कमी से प्लेन क्रैश हुआ है। कल सुबह ही बोइंग के एक्सपर्ट अहमदाबाद पहुंचे। वे घटनास्थल जाएंगे और वहां पूरी जानकारी जुटाएंगे। इसके अलावा कुछ तकनीकी चीजों के बारे में भी वे जानकारी ले सकते हैं या फिर प्राप्त चीजों का विश्लेषण कर सकते हैं। प्लेन क्रैश की दुखद घटना पर बोइंग के सीईओ केली ऑर्टबर्ग का बयान भी आया था। उन्होंने हादसे पर गहरा दुख जताया था और कहा था कि मैंने एयर इंडिया के चेयरमैन एन.चंद्रशेखरन से बात की है। हमने पूरी मदद का वादा किया है। भारत के एयरक्राफ्ट एक्सिडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो से हम फ्लाइट के बारे में जानकारी मांगेंगे।

सिद्धू मूसेवाला डाक्यूमेंट्री केस में बीबीसी ने परिवार के दावे को खारिज किया

लुधियाना। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की डॉक्यूमेंट्री की रिलीज पर रोक लगाने को लेकर दायर याचिका की सुनवाई कल मानसा कोर्ट में हुई। कोर्ट ने इस मामले में बीबीसी से जवाब मांगा था। कोर्ट में बीबीसी की ओर से सिद्धू मूसेवाला के परिवार द्वारा किए दावे को अयोग्य बताया है। बीबीसी की ओर से एडवोकेट बलवंत सिंह भाटिया पेश हुए, जिन्होंने अदालत में अर्जी दाखिल कर मूसेवाला पर बनी डॉक्यूमेंट्री और परिवार द्वारा जताई गई आपत्ति को वैध न बताते कहा कि उनका दावा किसी भी तरह से वैध नहीं है। अदालत ने अगली सुनवाई 23 जून तय की है। उधर, मूसेवाला के वकील सतिंदर पाल सिंह मित्तल ने कहा है कि बीबीसी ने अदालत में अर्जी दाखिल कर उनकी आपत्ति और दावे को अवैध करार दिया है। जिसमें कहा गया है कि मूसेवाला परिवार द्वारा जताई गई आपत्ति किसी भी तरह से वैध नहीं है। एडवोकेट मित्तल ने कहा कि वह अगली तारीख पर अदालत में इसका जवाब दाखिल करेंगे।

परमाणु हथियारों की रेस हुई तेज, ड्रैगन की रफ्तार सुपरसोनिक

चीन हर साल तैयार कर रहा सौ से अधिक परमाणु हथियार

बीजिंग ● एजेंसी

चीन ने अपने तेजी से बढ़ते परमाणु हथियार भंडार को लेकर सफाई दी है कि यह अब भी उसकी न्यूनतम आवश्यकताओं के अनुरूप ही है। चीन ने हालांकि अमेरिका और रूस की बराबरी करने के लिए परमाणु होड़ में शामिल होने की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि वह परमाणु हथियारों की किसी दौड़ में शामिल नहीं है, बल्कि उसकी नीति न्यूनतम प्रतिरोध की है।

होड़

जानकारी के मुताबिक, चीन हर साल 100 से अधिक नए परमाणु हथियार तैयार कर रहा है और अब उसके पास कुल मिलाकर करीब 600 परमाणु हथियार हो चुके हैं।

एक स्वीडिश विचारक संस्था द्वारा कल जारी स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) के अनुसार, बीजिंग ने 2023 से प्रत्येक वर्ष अपने परमाणु भंडार में 100 अतिरिक्त हथियार जोड़े हैं। उसके मुताबिक, वर्तमान में इसके पास कम से कम 600 हथियार हैं, और ऐसी आशंका है कि यह संख्या 'आने वाले दशक में बढ़ती रहेगी'। रिपोर्ट में कहा गया है, 'चीन के पास दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ता परमाणु शस्त्रागार है' जहां अधिकांश चीनी परमाणु आयुध को उनके लॉन्चर्स से अलग रखा गया है, वहीं माना जा रहा है कि

चीन अब सीमित संख्या में मिसाइलों पर परमाणु हथियार तैनात करना शुरू कर रहा है — ठीक उसी तरह जैसे अमेरिका बड़े पैमाने पर करता है। एसआईपीआरआई के अनुमान के मुताबिक, 132 परमाणु आयुध उन लॉन्चर्स को सौंपे गए हैं, जिन पर फिलहाल लोडिंग की प्रक्रिया जारी है। पर्यवेक्षकों के अनुसार, चीन के बढ़ते परमाणु हथियार भंडार का भारत पर भी प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि बीजिंग का करीबी सहयोगी पाकिस्तान भी अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम में तेजी ला रहा है। एसआईपीआरआई की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने सोमवार को मीडिया वार्ता में कहा कि चीन को इस रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है।गुओ ने दोहराया कि चीन ने सदैव आत्मरक्षा की परमाणु रणनीति का पालन किया है तथा किसी भी हथियारों की दौड़ में शामिल हुए बिना अपनी परमाणु क्षमताओं को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक न्यूनतम स्तर पर बनाए रखा है।

नीति का सख्ती से पालन करना

उन्होंने कहा कि चीन किसी भी समय, किसी भी परिस्थिति में परमाणु हथियारों का पहले प्रयोग न करने की नीति का सख्ती से पालन करता है तथा गैर-परमाणु राज्यों के खिलाफ परमाणु हथियारों का प्रयोग करने की धमकी नहीं देता है।विश्लेषकों का कहना है कि चीन अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ा रहा है जिसका कारण विश्व स्तरीय सैन्य शक्ति बनना है।रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी तक चीन ने अपने उत्तर में तीन बड़े रेगिस्तानी क्षेत्रों और पूर्व में तीन पहाड़ी क्षेत्रों में लगभग 350 नए आईसीबीएम (अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल) साइलो (मिसाइल रखने की जगह) का निर्माण पूरा कर लिया था या पूरा करने के करीब था। हालांकि, उस तिथि तक यह स्पष्ट नहीं था कि इनमें से किसी भी आईसीबीएम इकाई की अभी तैनाती की गई थी या नहीं।

पाकिस्तान ने अनिश्चित समय के लिए बंद कर दी ईरान की सीमाएं

इजराइल-ईरान युद्ध के बीच दिया धोखा

इस्लामाबाद ● एजेंसी

इजरायल के साथ जारी संघर्ष के बीच ईरान से जुड़ी सभी सीमाएं बंद कर दी हैं। खास बात है कि ये सीमाएं अनिश्चितकाल के लिए बंद की गई हैं। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब पाकिस्तान ने ईरान के समर्थन के संकेत दिए थे। साथ ही दावे किए जा रहे थे कि वह ईरान पर आंच आने पर इजरायल पर परमाणु हमला कर सकता है। बहरहाल, इस्लामाबाद ने इन दावों का खंडन किया है।ईरान की सीमा से लगे बलूचिस्तान प्रांत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एएफपी से कहा सभी पांच जिलों, छाघी, वाशुक, पंजगूर, केच और ग्वादर में सीमा सुविधाएं बंद कर दी गई हैं। छाघी जिले में एक अधिकारी अता-उल-मुनीम ने कहा है कि ईरान में प्रवेश 'अगली सूचना तक के लिए निलंबित कर दिया गया है।' उन्होंने कहा है कि इस दौरान कारोबार से जुड़ी गतिविधियों पर कोई रोक नहीं होगी। साथ ही ईरान से अपने मुल्क वापस आने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को भी आने की अनुमति होगी।

शर्मिष्ठा पनोली मामला : शिकायतकर्ता वजाहत खान की रिमांड बढ़ाई, हरियाणा पुलिस ने रखी मांग

कोलकाता ● एजेंसी

कोलकाता की एक कोर्ट ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ शिकायत करने वाले वजाहत खान को सात दिन की और पुलिस हिरासत में भेज दिया है। खान को कल छह दिन की पुलिस हिरासत खत्म होने के बाद अदालत में पेश किया गया। अब उन्हें 23 जून को फिर से अदालत में पेश किया जाएगा। इस बीच, वजाहत खान के लिए मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं, क्योंकि असम पुलिस के बाद अब हरियाणा पुलिस ने भी उन्हें गिरफ्तार कर लिया है और कल अदालत में उसकी ट्रांजिट रिमांड की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया है। हरियाणा पुलिस ने अपने आवेदन में कोलकाता पुलिस से उसे आगे की जांच के लिए हरियाणा ले जाने के लिए अपने कब्जे में लेने की मांग की। हालांकि, वजाहत खान के वकील ने ट्रांजिट रिमांड का विरोध किया। वजाहत खान को कोलकाता पुलिस ने गिरफ़्तार किया था और तब से वह हिरासत में हैं। उनके वकील शंखजीत लाल मित्रा ने अदालत के समक्ष दलील दी, 'जांच चल रही है लेकिन हम किसी भी हालत में ज़मानत के लिए गुहार लगा रहे हैं। अगर हमें इस अदालत से ज़मानत मिलती है, तो हम जांच एजेंसी के साथ सहयोग करेंगे।'

केंद्र सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन

35 लाख सरकारी कर्मचारी दो चरणों में करेंगे जनगणना

नई दिल्ली ● एजेंसी

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देश की जनसंख्या और जनसांख्यिकीय विवरणों का अनुमान लगाने के लिए 2027 में जनगणना कराने की अधिसूचना जारी की। यह जनगणना, जो पहले 2021 में होनी थी, अब जनसंख्या की जातीय पहचान से जुड़ा डेटा भी शामिल करेगी। यह अधिसूचना उस दिन आई जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनगणना की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। यह जनगणना दो हिस्सों में होगी और हर हिस्से के लिए अलग-अलग

भविष्य

तारीख तय की जाएगी। यह भारत की 16वीं जनगणना होगी और आज़ादी के बाद आठवीं बार जनगणना की जाएगी। पहले चरण में हाउसलिस्टिंग ऑपरेशन (HLO) किया जाएगा, जिसमें गणनाकर्ता किसी क्षेत्र में सभी इमारतों, घरों और परिवारों को दर्ज करेंगे और साथ ही आवास से जुड़ी विशेषताएं, सुविधाएं और संपत्तियों का डेटा भी इकट्ठा करेंगे। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना (PE) की जाएगी, जिसके तहत सरकार देशभर के हर व्यक्ति से जुड़े जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य विवरणों का डेटा इकट्ठा करेगी। गृह मंत्रालय ने कहा, "आगामी जनगणना डिजिटल तरीके से मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके कराई जाएगी। लोगों को स्वयं गणना की सुविधा भी दी जाएगी। सरकार ने बताया कि इस प्रक्रिया के लिए लगभग 34 लाख गणनाकर्ता और पर्यवेक्षक और लगभग 1.3 लाख जनगणना अधिकारी तैनात किए जाएंगे। यह प्रक्रिया 140 करोड़ से अधिक लोगों को शामिल करेगी।

चार राज्यों में पहले होगी गणना

भारत के रजिस्ट्रार जनरल ने एक राजपत्र अधिसूचना में कहा, "जनगणना अधिनियम, 1948 (1948 का 37) की धारा 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए और गृह मंत्रालय (भारत के रजिस्ट्रार जनरल के कार्यालय) की अधिसूचना संख्या S.O. 1455(E), दिनांक 26 मार्च, 2019, को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) में 28 मार्च, 2019 को प्रकाशित, को निरस्त करते हुए, केंद्र सरकार यह घोषित करती है कि भारत की जनसंख्या की जनगणना वर्ष 2027 के दौरान कराई जाएगी।" अधिसूचना में आगे कहा गया, "इस जनगणना के लिए संदर्भ तिथि 1 मार्च, 2027 की मध्यरात्रि होगी, सिवाय लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश और जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के हिमाच्छादित, असमय क्षेत्रों के लिए।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)